वर्ष : 33 » अंक : 217 » पृष्ठ : 8 » मुंबई, बुधवार, 23 अक्टूबर 2024 » RNI: MAHHIN/49994/91 » मूल्य : 3 रुपए » epaper.dobajedopahar.com » संपादक : अरुण लाल

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

- शरद पवार के दखल के बाद कांग्रेस-उबाटा में नाराजगी दूर
- महाविकास आघाडी में सीटों की शेयरिंग को लेकर सहमति
- 23 अक्तूबर को कांग्रेस की तरफ से आ सकती है पहली सूची
- कांग्रेस के 105 से 110 विधानसभा सीटों पर लड़ने की उम्मीद

एमवीए में डील डन

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में कौन कितनी सीटों पर लड़ेगा? मंगलवार को इसकी तस्वीर मोटे तौर पर साफ हो गई। राज्य में सत्तारूढ़ महायुति के घटक दलों में कुल 288 सीटों का बंटवारा पहले हो चुकी हैं। इसमें बीजेपी के 151, शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना के 84 और अजित पवार की एनसीपी के 53 सीटों पर लड़ने की उम्मीद है। तो वहीं दूसरी महाविकास आघाडी (MVA) में शुरुआती गतिरोध के बाद सीट शेयरिंग पर मोटी सहमति बन गई है। इसके अनुसार कांग्रेस राज्य की 105 से 110 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। उद्धव बाला साहेब ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी को 90 से 95 सीटें मिलने की उम्मीद है। शरद पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) को 75 से 80 सीटों पर लड़ने के संकेत मिले हैं।

नाना पटोले ने दिए 'गुड न्यूज' के संकेत

बीजेपी ने राज्य में सबसे आगे निकलते हुए 99 सीटों पर कैंडिडेट का ऐलान भी कर दिया है। कांग्रेस की तरफ से 23 अक्तूबर को कुछ कैंडिडेट के नामों का ऐलान किए जाने की उम्मीद है। दिल्ली में केंद्रीय आलाकामन से चर्चा के बाद मुंबई पहुंचे कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले ने इसके संकेत दिए हैं। पटोले ने मंगलवार की शाम को कहा कि वह एमवीए की सीट शेयरिंग की बैठक से पहले कहा कि आज ये अंतिम बैठक होगी। बुधवार को हम सभी की टिकट जारी कर देंगे। कांग्रेस और शिवसेना यूबीटी के बीच करीब 30 से 40 सीटों पर मतभेद उभरे थे। बाद में मुंबई की तीन और विदर्भ की 12 सीटें पर बात अटकी थी। सूत्रों की मानें तो शरद पवार और कांग्रेस आलाकमान के दखल के बाद इन सीटों को लेकर फंसे पेच को सुलझा लिया गया है।

बुधवार को आ सकती है पहली सूची

पार्टी नेताओं के बीच चर्चा है कि 23 अक्तूबर को कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी वायनाड से अपना नामांकन दाखिल करेंगी। लंबे समय से कांग्रेस में सक्रिय प्रियंका गांधी एक तरफ जहां वायनाड से अपने चुनावी राजनीति में प्रवेश करेंगी तो वहीं इसी मौके पर महाराष्ट्र से भी कांग्रेस के लिए अच्छी न्यूज आ सकती है। कांग्रेस ने पिछली बार 125 सीटों पर चुनाव लड़ा था। इसमें पार्टी को 44 सीटों पर जीत मिली थी, लेकिन लोकसभा चुनावों में 13 सीटें जीतने के बाद पार्टी को महाराष्ट्र में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। महाराष्ट्र में 22 अक्तूबर से नामांकन दाखिल किए जाएंगे। विधानसभा की 288 सीटों के लिए 20 नवंबर को वोट डाले जाएंगे।

NDA की सीटों का बंटवारा : भाजपा को 156, शिवसेना (शिंदे) को 78 और एनसीपी (अजित पवार) को 54 सीटें

महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा नीत एनडीए गठबंधन के सहयोगी दलों के बीच सीटों का बंटवारा लगभग तय हो गया है। विश्वस्त सूत्रों के अनुसार, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 156 सीटें, शिवसेना (शिंदे गुट) को 78 सीटें और अजित पवार की राकांपा को 54 सीटें दी गई हैं। हालांकि, इस समझौते की औपचारिक घोषणा अभी नहीं की गई है, लेकिन इस फैसले के बाद चुनावी तैयारियां तेजी से शुरू हो गई हैं।

दायित्वनामा

चुनाव : बड़ाई से कोई बड़ा नहीं होता, बड़ा होने के लिए बड़ा बनना पड़ता है

महाराष्ट्र विधानसभा के चुनाव की घोषणा के बाद महाराष्ट्र सहित देश भर की हवा बदली-बदली-सी लग रही है लोग और नेता दोनों ही चुनावी मोड़ में दिख रहे हैं। ऐसे में जनता और नेता दोनों के सामने सवालों का जखीरा खड़ा है। जनता के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि किसे जिताएं और नेता के सामने कैसे जीते। जीत-हार के इस मल्ल युद्ध के बीच दोनों का नजरिया देखते बनता है।

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

कहते हैं कि कलयुग में व्यक्ति बदल जाएगा, और यह युग रहने योग्य नहीं रह जाएगा। इसी नजरिए ने मानव जीवन को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। गौर करें तो यह युग अब तक के सबसे बेहतर युगों में से एक है। इंसान के पास संसाधनों और ऊंचे मूल्यों का खजाना है। पर कलयुग के बदतर होने के नजरिए ने इंसान को अपने इस खजाने से दूर कर दिया है। हम समझते हैं कि वर्तमान संसार में लोग कलयुग के भय (कोई किसी का नहीं) से एक दूसरे पर भरोसा कम करने लगे हैं। अपने संसाधनों के छिन जाने के भय से भरा हुआ इंसान संसाधन जुटाने की अंधी दौड़ में भागे जा रहा है।

दिक्कत यह नहीं है कि इंसान संसाधन जमा करना चाहता है। दिक्कत यह है कि वह बस जमा किए जा रहा है। उसे संसाधनों का उपयोग नहीं आया। इंसान सुख के पीछे दौड़ रहा है, पर वह भूल रहा है कि उसे सुख ठहराव में, अच्छे संबंधों, दूसरों की मदद और बड़े, ऊंचे चरित्र, बुजुर्गों की सेवा जैसे अच्छे मूल्यों से ही मिल सकता है। पर संसाधनों को जुटाने में लगा इंसान अपने मूल्यों, संबंधों को बगल में रख देता है, देने के सुख की कल्पना भी उसे भविष्य के भय से भर देती है। अपने बुजुर्गों से वह स्पेस चाहने लगा है। और जब यह स्पेस उसके जीवन को तनाव और डिप्रेशन से भर देता है तो वह साइकॉलॉजिस्ट के पास जाकर अपने मन को ठीक करना चाहता है। खैर,

यहां हम बात कर रहे हैं राजनीति की तो मानव मन और स्वभाव पर इतनी बात क्यों? दरअसल सारा खेल मानव मन का ही तो है..! नेता, अधिकारी इसी समाज का हिस्सा हैं। फिलहाल के ज्यादातर नेता सोचते हैं कि चुनाव जीतकर किसी भी तरह सत्ता में बने रहना ही उनका सुख है। चुनाव जीतने और सत्ता में बने रहने की चाह तक तो ठीक है, पर वे किसी भी कीमत पर चुनाव जीतना चाहते हैं, यहां तक कि वे अपनी आत्मा की हत्या तक करने को तत्पर हैं। झूठ, बेइमानी, गलत कमिटमेंट, लालच, भय किसी भी हथियार से वे मतदान चाहते हैं। कारण यह है कि समाज में यह मान्यता बन ही गई है कि संसाधन किसी भी तरह से पाए जाएं, चलता है। नेता भी इसी समाज से आता है।

चलता है कि यह आम राय देखने में तो तर्कपूर्ण लगती है, पर वास्तव में यह व्यक्ति को खोखला कर देने वाला नजरिया है। गीता में श्रीकृष्ण ने कहा है कि कर्म करो फल की चिंता मत करो, इसका अर्थ है कि जैसा कर्म होगा वैसा फल अनिवार्य है। सो चलता है वाले नजरिए में व्यक्ति कभी सच्चा सुख नहीं पाता। वह झूठी शान, वाह-वाही, लोगों की आंखों में अपने लिए लाचल भरा सम्मान देखकर अपने अहंकार को तुष्ट करता है। पर आत्मा कभी इनसे तुष्ट नहीं होती, आत्मा सिर्फ बेहतर मूल्यों से तृप्त होती है, फिर वह नेता की हो, हत्यारे की हो, आतंकवादी की हो या आम आदमी की।

हम इंसान को चेताना अपना दायित्व समझते हैं कि कि हर वह इंसान बेचारा है, जो आजीवन सुख की तलाश में झूठ और बेईमानी के रास्ते पर चला और सिर्फ दूसरों से झूठी जय-जयकार पाई। उसके मन ने उसकी जय-जयकार नहीं की। आप चाहे जितने बड़े हो जाएं पर जब तक आप बेहतर रास्ते पर नहीं होते, तब तक आपका मन आपकी जय-जयकार नहीं करता। और बिना मन के जय-जयकार के जीवन निरर्थक। अर्थात बड़ाई से कोई बड़ा नहीं होता, बड़ा होने के लिए बड़ा बनना पड़ता है।

न्यूज ब्रीफ

छगन भुजबल 24 तारीख को येवला से भरेंगे नामांकन

नासिक। महाराष्ट्र में महायुती के घटक दलों के अधिकृत उम्मीदवार और मंत्री छगन भुजबल आगामी गुरुवार 24 अक्टूबर को सुबह 10 बजे येवला में अपनी उम्मीदवारी का आवेदन दाखिल करेंगे। इसे लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष और येवला लासलगांव विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के प्रचार प्रमुख अंबादास बनकर ने महायुती घटक दलों के नेताओं, पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और चुनाव क्षेत्र के नागरिकों से बड़ी संख्या में उपस्थित रहने की अपील की है।

अणुशक्तिनगर : नवाब मलिक की बेटी को अजित पवार ने दिया टिकट

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनाव की तारीखों का ऐलान होने के बाद अब पार्टियों ने उम्मीदवारों की लिस्ट जारी करनी शुरू कर दी है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अजित पवार गुट की तरफ से अणुशक्तिनगर विधानसभा सीट से नवाब मलिक की बेटी सना मलिक शेख को टिकट दिया गया है। अणुशक्तिनगर सीट पर नवाब मलिक का दबदबा रहा है, लेकिन इस बार पार्टी ने उनकी बेटी को मैदान में उतारा है। एनसीपी पार्टी ने आधिकारिक जानकारी दी है कि सना मलिक शेख 23 अक्तूबर को नामांकन दाखिल करेंगी। महाराष्ट्र में मुख्य मुकाबला महाविकास आघाड़ी और महायुति के बीच है। राज्य में 288 सीटों पर एक ही चरण में 20 नवंबर को वोटिंग होगी और चुनाव के नतीजे 23 नवंबर को सामने आएंगे। अंडरवर्ल्ड से रिश्तों और मनी लांड्रिंग के तहत लगे आरोपों के बाद नवाब मलिक जेल में थे, लेकिन जब से वो जेल से रिहा हुए हैं तो उन्होंने अजित गुट ज्वाइन कर लिया है। नवाब मलिक अजित पवार की पार्टी में शामिल होने के बाद भी फ्रंट पर मैदान में आ नहीं सके क्योंकि बीजेपी लगातार नवाब मलिक के खिलाफ नजर आई है और उनका विरोध करती रही है।

मिर्जापुर के VIP चोर, प्लेन से मुंबई आकर करते थे चोरी

धीरज सिंह | मिर्जापुर/मुंबई/पालघर

पुलिस ने एक ऐसे अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश किया है, जो चोरी के लिए मिर्जापुर से मुंबई समेत अन्य बड़े शहरों का रुख करते थे। इसके लिए गिरोह के सदस्य फ्लाइट पकड़ते थे। मुंबई जैसे बड़े शहरों में चोरी की घटना को अंजाम देने के बाद हवाई जहाज से ही लौट आते थे। पुलिस को मिली अभी तक की जानकारी के मुताबिक पकड़े गए 4 सदस्यों पर 25-25 हजार का इनाम भी घोषित था। पुलिस ने इनसे चोरी के गहने खरीदने वाले सोनार को भी गिरफ्तार किया है।

35 लाख रुपए का सामान बरामद

चोर गिरोह के सदस्यों को चुनार पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक अभिनंदन ने बताया कि ये सभी काफी दिनों से चोरी की वारदातों में लिप्त थे। ये चोरी करने हवाई जहाज से मुंबई जाते थे। वहां अमीरों के बंद घरों की बकायदा रेकी करते थे। इसके बाद घर में घुसकर कीमती सामान, जेवरात चोरी कर लेते थे। इसके बाद चोरी के सामान को बेच देते थे। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने इन्हें चुनार थाना क्षेत्र के पचराव से मंगलवार को गिरफ्तार किया है। इनके पास से गहने, कार और अन्य महंगे सामान बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत करीब 35 लाख रुपए है।

शालीमार एक्सप्रेस के दो डिब्बे पटरी से उतरे

दोपहर संवाददाता | नागपुर

मंगलवार को लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी)-शालीमार एक्सप्रेस के दो डिब्बे पटरी से उतर गए हैं। यह घटना दोपहर में सामने आई, ये दुर्घटना कलमना रेलवे स्टेशन के पास क्रॉसओवर के दौरान हुई है। इस हादसे को लेकर साउथ-ईस्ट सेंट्रल रेलवे के सीनियर डीसीएम दिलीप सिंह ने बताया कि ट्रेन संख्या 18029 सीएमएसटी-शालीमार एक्सप्रेस के 2 कोच एस-2 और पार्सल वैन मंगलवार दोपहर 2.30 बजे नागपुर के कलमना रेलवे स्टेशन के पास पटरी से उतर गए। इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ है। रेलवे प्रशासन इस ट्रेन के यात्रियों को उनके गंतव्य स्थान तक पहुंचाने के लिए पूरे प्रयास कर रहा है। रेलवे ने एक हेल्पलाइन शुरू की है और यात्रियों को बुनियादी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं।

कैसे हुआ हादसा ?

बताया जाता है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के अंतर्गत मंगलवार की दोपहर एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस क्रं 18029 नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी स्टेशन से शालीमार के लिए रवाना हुई जब यह गाड़ी कलमना रेल लाइन से धीमी गति से क्रासिंग ओवर हो रही थी तब इस गाड़ी का एक पार्सल यान (इंजन से तीसरा डब्बा) तथा स्लीपर कोच क्र एस-2 (इंजन से 12वा डब्बा) के चार पहिये पटरी से उतर गए। जानकारी मिलते ही तुरंत ART को घटना स्थल पर रवाना किया गया । नमिता त्रिपाठी-मंडल रेल प्रबंधक, एस. पी. चंद्रिकापुरे-अपर मंडल रेल प्रबंधक , दिलीप सिंह- वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक सहित अन्य अधिकारी एवं परिवेक्षक घटना स्थल पर पहुंचे। इस घटना से किसी भी प्रकार की कोई जान-माल की हानि नहीं हुई।

चुनाव से पहले बीजेपी को लगा जोर का झटका

पूर्व विधायक संदीप नाइक शरद पवार गुट में शामिल

दीपक पवार | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी की ओर से उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद अब बड़ा झटका लगा है। नवी मुंबई में बीजेपी को झटका देते हुए पार्टी के नेता और पूर्व विधायक संदीप नाइक मंगलवार को शरद पवार गुट की एनसीपी में शामिल हो गए। बताया जा रहा है कि बेलापुर सीट से टिकट नहीं मिलने के बाद से संदीप नाइक नाराज चल रहे थे। बीजेपी ने संदीप के पिता और पूर्व मंत्री गणेश नाइक को ऐरोली विधानसभा सीट से मैदान में उतारा है। उनका नवी मुंबई क्षेत्र में सालों से काफी प्रभाव है। सूत्रों ने बताया कि संदीप के बेलापुर से विधानसभा चुनाव लड़ने की संभावना है, जहां बीजेपी ने अपनी मौजूदा विधायक मंदा म्हात्रे को फिर से उम्मीदवार बनाया है।

जयंत पाटिल बोले- हमने जो खोया था, वह अब मिल गया

पार्टी की राज्य इकाई के अध्यक्ष जयंत पाटिल ने संदीप नाइक का एनसीपी में स्वागत किया। पाटिल ने कहा कि हमने जो खोया था वह अब मिल गया है। नवी मुंबई में शुरू होने वाली कहानी पूरे महाराष्ट्र में गूंजेगी। हम अपने समर्पित कार्यकर्ताओं और नेताओं के योगदान को नजरअंदाज नहीं करेंगे। संदीप नाइक के प्रवेश से निस्संदेह हमारी पार्टी मजबूत होगी। पाटिल ने दर्शकों से आगामी चुनाव में नाइक के समर्थन में एकजुट होने का आग्रह किया उन्होंने बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा। वहीं, संदीप नाइक ने नवी मुबई की विकास की जरूरतों को प्राथमिकता देने की कसम खाई।

संदीप नाइक बोले- हमारे प्रयासों के लिए सम्मान नहीं मिला

नाइक जूनियर ने बीजेपी पर परोक्ष हमले में दावा किया कि हमने पिछले चुनावों के दौरान अपनी जिम्मेदारियां पूरी की, लेकिन हमारे प्रयासों के लिए सम्मान नहीं मिला। उन्होंने दावा किया कि कई कार्यकर्ता और नेता (अन्य दलों से) राकांपा (सपा) में शामिल होने के लिए उत्सुक हैं।

गणेश नाइक पर बीजेपी ने बनाया था दबाव, लेकिन

माना जा रहा है कि बीजेपी ने जूनियर नाइक को लेकर गणेश नाइक पर दबाव बनाया था, लेकिन वो अपने बेटे को नहीं मना पाए। इसके बाद अब उन्होंने एनसीपी शरद पवार गुट का दामन थाम लिया है। अब अगर शरद पवार गुट जूनियर नाइक को बेलापुर से टिकट देते है तो बीजेपी को कड़ी चुनौती मिल सकती है।

एंटीलिया विस्फोटक केस > महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख भी हैं इस मामले में आरोपी

बेल के बाद भी जेल

बंबई उच्च न्यायालय ने बर्खास्त पुलिस अधिकारी को दी जमानत फिर भी जेल से बाहर नहीं आएंगे सचिन वाजे

मुनीब चौरसिया | मुंबई

महाराष्ट्र के भ्रष्टाचार मामले से चर्चा में आए बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को बंबई उच्च न्यायालन ने बड़ी राहत दी है। बंबई उच्च न्यायालय ने मंगलवार को भ्रष्टाचार के एक मामले में सचिन वाजे को जमानत दे दी। इस मामले में महाराष्ट्र के पूर्व गृहमंत्री अनिल देशमुख भी आरोपी हैं। न्यायाधीश एम.एस.सोनक की अध्यक्षता वाली पीठ ने सचिन वाजे को जमानत देते हुए कहा कि इसकी शर्तें केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के मामलों की विशेष अदालत तय करेगी। भ्रष्टाचार के मामले में जमानत मिलने के बावजूद सचिन वाजे जेल से रिहा नहीं होंगे क्योंकि 'एंटीलिया'बम धमकी मामले में एनआईए द्वारा दर्ज मामले में वह न्यायिक हिरासत में हैं। इस समय न्यायिक हिरासत के तहत जेल में बंद सचिन वाजे ने जमानत पर रिहा करने का अनुरोध करते हुए कहा कि वह मामले में सरकारी गवाह है साथ ही इस मामले के अन्य आरोपी को जमानत दी गई है इसे देखते हुए समानता के आधार पर उसे भी जमानत दी जानी चाहिए।

सीबीआई ने किया जमानत अर्जी का विरोध

सचिन वाजे के वकील अबाद पोंडा ने सुनवाई के दौरान दलील दी कि सरकारी गवाह घोषित किए जाने के बावजूद उनके मुवक्किल को जेल में रखना उसके मौलिक अधिकारों का उल्लघंन है। सीबीआई ने जमानत अर्जी का विरोध करते हुए कहा कि आरोपी वाजे को अबतक मामले में बरी नहीं किया गया है और उन्हें जमानत देना मामले के हित में नहीं होगा। बता दें कि सीबीआई की विशेष अदालत ने जून 2022 में सचिन वाजे को सरकारी गवाह घोषित किया था।

इन मामलों में भी आरोपी है वाजे

जानकारी के बता दें कि सचिन वाजे को दक्षिण मुंबई में उद्योगपति मुकेश अंबानी के आवास 'एंटीलिया' के पास विस्फोटकों से भरे वाहन मिलने और ठाणे के व्यवसायी मनसुख हिरन की हत्या के मामले में कथित भूमिका के लिए मार्च 2021 में गिरफ्तार किया गया था। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह द्वारा पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख पर लगाए गए भ्रष्टाचार और पद का दुरुपयोग करने के आरोपों की प्रारंभिक जांच करने के लिए बंबई उच्च न्यायालय ने अप्रैल 2021 में सीबीआई निर्देश दिया था।

अवैध रूप से रहने वाले 21 बांग्लादेशी गिरफ्तार

पुणे। आतंकवाद निरोधक शाखा ने पुणे जिले के रंजनगांव एमआईडीसी के पास कारेगांव इलाके में रहने वाले 21 बांग्लादेशी नागरिकों को भारत में अवैध रूप से रहने के आरोप में गिरफ्तार किया है। विश्वसनीय सूचना के आधार पर एटीएस ने 15 पुरुषों, 4 महिलाओं और 2 ट्रांसजेंडर को आधार कार्ड,

पैन कार्ड और वोटर आईडी सहित जाली भारतीय पहचान दस्तावेज रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

पासपोर्ट अधिनियम के उल्लंघन के तहत जांच शुरू

पासपोर्ट अधिनियम के उल्लंघन के तहत जांच शुरू की गई। जांच के दौरान, अधिकारियों ने पाया कि नौ व्यक्तियों के पास नकली आधार और पैन कार्ड थे, जबकि एक व्यक्ति के पास गुजरात का नकली वोटर आईडी था। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों ने कथित तौर पर विभिन्न अवैध मार्गों से भारत में प्रवेश किया, जिनमें से कुछ पश्चिम बंगाल के रास्ते सीमा पार कर गए और अन्य समुद्र के रास्ते प्रवेश कर गए।

शिवसेना के वामन म्हात्रे भी करेंगे बगावत

दोपहर संवाददाता । ठाणे

टिकट नहीं मिला तो निर्दलीय लड़ेंगे चुनाव!

राज्य में सत्तारूढ़ रही महायुति एक बार फिर विधानसभा के चुनावी मैदान में उतरी है। लेकिन इस बार के चुनाव में महायुति में सब कुछ ठीक नहीं लग रहा है। महायुति में शामिल रजनीतिक दलों के लोगों में उथल-पुथल अब खुलकर सामने आ गई है। मौजूदा भाजपा विधायक किसन कथोरे को मुरबाड विधानसभा क्षेत्र से उम्मीदवारी मिलने के बाद, शिवसेना (शिंदे गुट) के पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष सुभाष पवार सोमवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) में शामिल हो गए। ऐसे में जब शिवसेना में बगावत शुरू हो गई है तो अब बदलापुर शिवसेना शहर प्रमुख वामन म्हात्रे के भी बीजेपी विधायक किसन कथोरे के खिलाफ निर्दलीय चुनाव लड़ने की संभावना जताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक शिवसेना के शहर प्रमुख वामन म्हात्रे के 28 अक्टूबर को नामांकन पत्र भरेंगे। लोकसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद से मुरबाड विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक घटना क्रम तेज हो गए थे। तभी से कयास लगने लगे थे कि महायुति में एक अनार सौ बीमार वाली कहावत चरितार्थ होगी और हुआ भी वही। भाजपा के पूर्व सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल पाटिल ने विधायक किसन कथोरे के खिलाफ विरोध का बिगुल बजा रखा है। लेकिन उसके बाद भी बीजेपी के वरिष्ठों ने मौजूदा विधायक किसन कथोरे को उम्मीदवार बनाया। इससे बीजेपी में कई विरोधियों को बड़ा झटका लगा है। कथोरे में भाजपा के वरिष्ठों द्वारा दिखाए गए विश्वास से उन लोगों को भी झटका लगा जो भाजपा से टिकट पाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन बीजेपी से टिकट की घोषणा के बाद किसी ने खुलकर बगावत नहीं की। लेकिन इसके साथ ही बीजेपी के साथ महागठबंधन की घटक पार्टी शिवसेना में भी बगावत शुरू हो गई है।

इन्होंने भी छोड़ी पार्टी

सोमवार को शिवसेना शिंदे गुट के भिवंडी लोकसभा संपर्क प्रमुख और पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष सुभाष पवार शिवसेना के कुछ पदाधिकारियों के साथ एनसीपी (शरदचंद्र पवार) में शामिल हो गए है। उन्होंने वरिष्ठ नेता शरद पवार से मुलाकात की और प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल, सांसद सुप्रिया सुले की मौजूदगी में एनसीपी (शरदचंद्र पवार) में प्रवेश किया। इसलिए अब लगभग तय है कि सुभाष पवार बीजेपी के किसन कथोरे को चुनौती देंगे। सुभाष पवार के पिता कांग्रेसी रहे है व एनसीपी से विधायक भी बन चुके है।

निर्दलीय चुनाव में उतरने की तैयारी

बगावत का दूसरा निशाना बदलापुर शिवसेना के शहर प्रमुख और पूर्व शहर अध्यक्ष वामन म्हात्रे करने की तैयारी में हैं। ऐसी संभावना है कि वामन म्हात्रे बिना किसी पार्टी में शामिल हुए निर्दलीय के तौर पर विधानसभा चुनाव मैदान में होंगे। उनके करीबियों की बात पर यदि विश्वास किया जाए तो म्हात्रे 28 अक्टूबर को निर्दलीय के रूप में अपना नामांकन दाखिल करने की तैयारी कर रहे हैं। वामन म्हात्रे के समर्थक शिवसैनिकों का कहना है कि पिछले चुनाव में शिवसेना ने विधायक किसन कथोरे को जिताने में अहम भूमिका अदा की थी। इसलिए वह जिले में सबसे ज्यादा वोटों के जीते थे। लेकिन भाजपा के कथोरे ने समय-समय पर शिवसेना पर भरोसा नहीं किया।

शिवसैनिकों ने नहीं दी अहमियत

वामन म्हात्रे के समर्थकों का कहना है कि आचार संहिता लगने से कुछ दिन पहले किए गए उद्घाटनों व भूमिपूजन समारोह में शिवसैनिकों को तवज्जों नहीं दी। कहा जा रहा है कि शिवसेना के कुछ पदाधिकारियों ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से शिकायत की है कि चुनाव से पहले आयोजित भूमिपूजन, उद्घाटन कार्यक्रम में शिवसेना को महत्त्व नहीं दिया।

तीस विमानों में बम होने की फिर से मिली धमकी

जांच में जुटी पुलिस

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई सहित देश के विभिन्न हवाई अड्डों से उड़ाने भरने वाले विमानों को बम से उड़ाने या उनमें बम होने की धमकी का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। 21-22 अक्टूबर की रात को 30 विमानों को लेकर फिर धमकी मिली है। इसमें से 7 से 8 विमान मुंबई के हैं। पुलिस ने इन्हें गंभीरता से लेते हुए सहार पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

मुंबई पुलिस के आला अफसरों से मिली जानकारी के मुताबिक 21-22 अक्टूबर की रात को जिन 30 विमानों में बम होने की धमकी भरे ई मेल आए थे, उसमें से 7 से 8 विमान मुंबई के थे। धमकी मिलने के बाद एयरलाइंस द्वारा इसकी जानकारी मुंबई पुलिस को दी गई।

देशी नाम-विदेश से काम

मुंबई पुलिस सूत्रों के मुताबिक अब तक की जांच के अनुसार जिन नामों से ई मेल आ रहे हैं, उसमें नाम भारतीय हैं। लेकिन ई मेल का वीपीएन अमेरिका और कुछ अन्य देशों का दिखा रहा है। ई मेल करने वाले लोग वीपीएन के जरिए अपनी पहचान छुपाकर धमकी भरे ई मेल भेज रहे हैं।

पुलिस ने जांच की, लेकिन उन्हें उसमें कुछ नहीं मिला। जानकारी के मुताबिक पिछले कुछ दिनों में 144 विमानों को लेकर बम की धमकियां मिली हैं। इन्हें गंभीरता से लेते हुए हाई लेवल कमिटी भी जांच में जुटी हुई है।

पुलिस ने गढ़चिरौली में ढेर किए 5 नक्सली

विधानसभा चुनाव प्रभावित करने का था प्लान

दोपहर संवाददाता । मुंबई

गढ़चिरौली में पुलिस ने मुठभेड़ पांच माओवादियों को ढेर कर दिया। ये माओवादी आगामी विधानसभा चुनाव को प्रभावित करने का प्लान बना रहे थे, जिसे पुलिस ने विफल कर दिया। पुलिस ने नक्सलियों के पास से 5 हथियार भी बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि इस दौरान सी-60 के एक जवान को दो गोलियां भी लगी है, जिन्हें इलाज के लिए नागपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने बताया कि विश्वसनीय सूचना प्राप्त हुई थी कि कुछ माओवादी विनाशकारी एक्टिविटी को अंजाम देने के इरादे से पिछले तीन-चार दिनों से डेरा डाले हुए थे। ये माओवादी कथित तौर पर ताह के कोपरशी जंगली इलाके में दो अलग-अलग जगहों भामरागढ़ और नारायणपुर, छत्तीसगढ़ में छिपे हुए थे और आगामी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को प्रभावित करना का प्लान बना रहे थे।

एक जवान को लगी गोलियां

पुलिस ने बताया कि 19 अक्टूबर को एडिशनल एसपी यतीश देशमुख और एडिशनल एसपी रमेश के नेतृत्व में अतिरिक्त एंटी नक्सली सी-60 स्क्वायड की 21 यूनिट और क्यूटी (CRPF) की 2 यूनिट को तुरंत सर्च ऑपरेशन के लिए भेजा गया। ये टीम कल सुबह जब इलाके में सर्च ऑपरेशन कर रही थी, तभी माओवादियों ने टीम पर अंधाधुंध गोलीबारी कर दी। जिसका सी-60 टीमों ने जोरदार जवाब दिया और इसके बाद नक्सली घने जंगल की ओर भाग गए। इस ऑपरेशन के दौरान सी-60 के जवान कुमोद प्रभाकर को दो गोलियां लगी है। उन्होंने मौके से हेलीकॉप्टर की मदद से बाहर निकालकर नागपुर के अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

'करीब 8 घंटे चला ऑपरेशन'

पुलिस के अनुसार, करीब आठ घंटे तक चली गोलीबारी के बाद इलाके की सर्चिंग में दो पुरुष और तीन महिलाओं नक्सलियों के शव बरामद हुए। मृतक माओवादियों के खिलाफ कई अपराध मामले दर्ज हैं, जिनमें मुठभेड़, आगजनी, हत्या आदि शामिल हैं। इसके साथ ही घटनास्थल से 05 हथियार भी बरामद किए गए हैं।

3 साल में 85 नक्सली ढेर

पिछले तीन सालों में 2021 से गढ़चिरौली पुलिस के लगातार प्रयासों के बाद से अब तक 85 कट्टर माओवादियों को मार गिराया है और 109 माओवादियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। साथ ही 37 माओवादियों ने गढ़चिरौली पुलिस के सामने सरेंडर किया है।वहीं, गढ़चिरौली के एसपी नीलोत्पल एक बार फिर माओवादियों से सरेंडर करने और विकास की मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की है।

नवाब मलिक की उम्मीदवारी पर बीजेपी व एनसीपी में टकराव

आशीष शेलार बोले- दाऊद से संबंध रखने वालों के खिलाफ हैं हम

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के ऐलान के बाद सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी गठबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। आज से महाराष्ट्र में नामांकन प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। लेकिन अभी तक दोनों ही प्रमुख गठबंधनों ने सीट शेयरिंग का ऐलान नहीं किया है। वहीं बीजेपी ने 99 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। बीजेपी की सहयोगी एनसीपी और शिवसेना भी अपने-अपने उम्मीदवारों की सूची बनाने में लगी हुई है। इस बीच एनसीपी नेता व पूर्व मंत्री नवाब मलिक को उम्मीदवारी दिए जाने की बात सामने आ रही है। इसका बीजेपी विरोध कर रही है।

मंगलवार को बीजेपी के नेता आशीष शेलार ने कहा कि उनकी पार्टी महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता नवाब मलिक की उम्मीदवारी के खिलाफ है। भाजपा की मुंबई इकाई के अध्यक्ष शेलार ने कहा कि 'हम अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े किसी व्यक्ति को टिकट देना स्वीकार नहीं करेंगे। हम मलिक का समर्थन नहीं करेंगे और अपना अलग रुख रखेंगे।' कहा जा रहा है कि मुंबई दक्षिण-मध्य लोकसभा सीट के अणुशक्ति नगर से मौजूदा विधायक नवाब मलिक मानखुर्द-शिवाजी नगर से चुनाव लड़ने की योजना बना हैं। वहीं अणुशक्ति नगर सीट को अपनी बेटी सना के लिए छोड़ सकते हैं। इस सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि हम नवाब मलिक की उम्मीदवारी का समर्थन नहीं करेंगे। नवाब मलिक की बेटी सना चुनावी राजनीति में पदार्पण करने की योजना बना रही हैं।

बता दें कि नवाब मलिक महा विकास अघाड़ी सरकार में मंत्री थे। मलिक को 2022 में एनआईए ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम, छोटा शकील और टाइगर मेमन सहित उसके अन्य सहयोगियों के खिलाफ दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया था। एनसीपी नेता नवाब मलिक को इस साल जुलाई में चिकित्सा के आधार पर अदालत ने जमानत दी गई थी। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में हुई टूट के बाद उपमुख्यमंत्री अजित गुट ने सहयोगी बीजेपी के विरोध के बावजूद विधायक नवाब मलिक को अपने पाले में कर लिया।

बीजेपी छोड़ शिंदे शिवसेना में शामिल होंगे नीलेश राणे

निर्दलीय चुनाव लड़ सकते हैं सुजय विखे पाटिल

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर अधिसूचना जारी होने के साथ प्रमुख सियासी दलों में उम्मीदवारी पाने की इच्छा रखनेवालों की जोड़तोड़ शुरू हो गई। इसी बीच टिकट के लिए नेता पुत्र भी प्रयास करते नजर आए। संदीप नाईक, नीलेश राणे और सुजय विखे पाटिल इसका उदाहरण बन रहे हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी सांसद नारायण राणे के बेटे पूर्व सांसद नीलेश भी बुधवार को शिवसेना (शिंदे गुट) में प्रवेश कर सकते हैं। वहां उन्हें कुडाल विधानसभा क्षेत्र से शिवसेना (उद्धव गुट) के विधायक वैभव नाईक के खिलाफ उम्मीदवार बनाए जाने की चर्चा है। बीजेपी के एक अन्य बड़े नेता व मंत्री राधाकृष्ण विखे पाटील अपने बेटे सुजय विखे पाटिल को सेट करने के लिए परेशान हैं। पूर्व सांसद सुजय को बीजेपी ने 2024 में संगमनेर लोकसभा चुनाव क्षेत्र से उम्मीदवार बनाया था लेकिन वह हार गए थे। अब सुजय संगमनेर से विधानसभा का चुनाव लड़ना चाहते हैं लेकिन महायुति में संगमनेर की सीट शिंदे गुट के पास है। मंगलवार को पूरे मीडिया की नजर जहां महाविकास आघाड़ी सीटों के बंटवारे के लिए चल रहे मंथन पर लगी रही तो वहीं नेताओं के दल-बदल की खबरें भी छाई रहीं। बीजेपी के पूर्व मंत्री राजकुमार बडोले ने मंगलवार को कमल त्याग कर उप मुख्यमंत्री अजीत पवार की राकांपा की घड़ी धारण कर ली। वहीं राकांपा अजीत दल के यशवंत राव शिवबंधन उद्धव ठाकरे दल में शामिल हो गए।

सलमान खान और बाबा सिद्दीकी के परिवार को मिली पुलिस सुरक्षा

दोपहर संवाददाता । मुंबई

बाबा सिद्दीकी के मर्डर के बाद किसी और नेता या सेलिब्रेटी की हत्या न हो, इसलिए मुंबई पुलिस ने कई हाई-प्रोफाइल लोगों की सुरक्षा बढ़ाने का फैसला किया है। इसके तहत मुंबई पुलिस की प्रोटेक्शन ब्रांच में करीब पौने दो सौ कर्मियों की फोर्स बढ़ाई गई है। एक विश्वस्त सूत्र के अनुसार, करीब 150 कॉन्स्टेबल और करीब दो दर्जन अधिकारी प्रोटेक्शन ब्रांच में अलग-अलग जगहों से बुलाए गए हैं। अभी तक प्रोटेक्शन ब्रांच में कर्मियों की संख्या करीब 750 थी, जो अब बढ़कर 900 से ऊपर हो गई है। यह भी पढ़े -तीस विमानों में बम होने की फिर से मिली धमकी, जांच में जुटी पुलिस एक अधिकारी के अनुसार, बाबा सिद्दीकी के मर्डर के बाद प्रोटेक्शन ब्रांच से पूरे परिवार को सुरक्षा दी जा रही है। यही नहीं, सलमान खान के पूरे परिवार को भी सुरक्षा देने का फैसला किया गया है। इस अधिकारी के अनुसार, सलमान खान और सलीम खान को हालांकि पहले से सुरक्षा थी, लेकिन बाबा बाबा सिद्दीकी के मर्डर के बाद सलमान के परिवार के अन्य लोगों से भी कहा गया है कि जब भी वो घर से निकलें, तो पुलिस को अडवांस में अपना कार्यक्रम बता दें, ताकि पुलिस उन्हें प्रोटेक्शन दे सके।

नासिक में लगातार हो रही बारिश से प्याज-टमाटर की फसल बर्बाद

दोपहर संवाददाता । नासिक

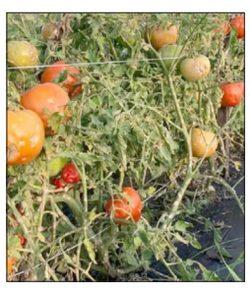

पिछले कई दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण नासिक में टमाटर और प्याज की फसल को भारी नुकसान पहुंचा है। लगातार बारिश से खेतों में पानी जमा होने से प्याज की फसल खराब होने लगी है। इससे 30 से 50 प्रतिशत फसल के नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है। वहीं टमाटर की कटाई के लिए तैयार फसल भी बारिश की भेंट चढ़ गई। फसलों को हुए भारी नुकसान को देखते हुए यहां के किसानों ने उनकी फसलों का पंचनामा कर मुआवजा देने की मांग की है जिससे वे इस नुकसान से उबर पाएं। नासिक जिले में 8 महीने की खेती होने के कारण किसान लाल प्याज की फसल पर निर्भर रहते हैं। इसके केवल एक तहसील में 8 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में लाल प्याज की बुआई की गई है।

खेतों में पानी भरने से सड़ रहा प्याज

बारिश के कारण लेट खरीफ प्याज की बुआई भी 12,000 हेक्टेयर से अधिक हो गई है। लगाई गई प्याज और रोपों को लगातार बारिश का सामना करना पड़ रहा है। खेतों में पानी जमा हो रहा है, जिससे प्याज की जड़ें सड़ रही हैं और पत्ते पीले पड़ रहे हैं। इस मौसम में प्याज के पौधों की यही स्थिति है, जिससे बुआई के लिए पौधे उपलब्ध नहीं होने का डर है। वहीं बारिश के कारण मक्के, कपास और सोयाबीन की फसल को भी नुकसान पहुंच रहा है। नासिक के मखमलाबाद और म्हसरूल क्षेत्रों में पिछले 4 दिनों से हो रही भारी बारिश से किसानों को भारी नुकसान हुआ है।

पुणे डिवीजन की शिरवाडे कराड शेनोली डबल लाइन का शुभारंभ

दोपहर संवाददाता । पुणे

पुणे मिराज दोहरीकरण, 280 किलोमीटर लंबी रेलवे परियोजना पूरी होने वाली है। अब तक 230 किलोमीटर का काम पूरा हो चुका है। दिनांक 23 अक्टूबर 2024 को शिरवाडे कराड शेनोली के बीच 22 किलोमीटर का सेक्शन चालू हो जाएगा। मध्य सर्कल के रेलवे सुरक्षा आयुक्त मनोज अरोड़ा सेक्शन का निरीक्षण करेंगे। वे सुबह 9 बजे से शेनोली से शिरवाडे तक मोटर ट्रॉली निरीक्षण करेंगे और 16.00 बजे तक पूरा कर लेंगे। इसके बाद शिरवाडे से शेनोली तक 130 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से परीक्षण किया जाएगा। सभी सुरक्षा सुविधाओं के संतोषजनक अनुपालन के बाद, सीआरएस यात्री यातायात के लिए सेक्शन खोलने को अधिकृत करेंगे। निरीक्षण में मध्य रेल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी (निर्माण) अवनीश पांडे, मण्डल रेल प्रबंधक पुणे, इंदु दुबे और मध्य रेलवे के निर्माण संगठन के साथ-साथ पुणे मंडल के अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। चूंकि 23 अक्टूबर 2024 से नई डाउन लाइन पर ट्रेनें चलनी शुरू हो जाएंगी, इसलिए इस सेक्शन के सभी निवासियों को ध्यान देना चाहिए और रेलवे ट्रैक से दूर रहना चाहिए।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 18 स्टेशनों का होगा कायाकल्प

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे ने 124 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है, जिसका उद्देश्य यात्रियों को अत्याधुनिक सुविधाएं और बेहतर सुविधाएं प्रदान करना है। इस पुनर्विकास परियोजना में मुंबई सेंट्रल मंडल के 30 स्टेशन, वडोदरा मंडल के 18, रतलाम के 19, अहमदाबाद और भावनगर मंडलों के 20-20 स्टेशन और राजकोट मंडल के 17 स्टेशन शामिल हैं। स्टेशनों को आधुनिक सुविधाओं और विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे के साथ अपग्रेड किया जाएगा, जिससे यात्रियों के लिए यात्रा का अनुभव बेहतर होगा और रेलवे संचालन अधिक कुशल होगा। इसी दिशा में, वडोदरा मंडल में गुजरात स्थित डाकोर, प्रतापनगर और गोधरा स्टेशनों का उन्नयन कार्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस पहल का उद्देश्य यात्री सुविधाओं में सुधार, बुनियादी ढांचे को बढ़ाना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देते हुए पर्यावरणीय स्थिरता सुनिश्चित करना है।

डाकोर स्टेशन को लगभग 6 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से अमृत स्टेशन के रूप में विकसित किया जा रहा है। उन्नयन कार्य में यात्री सुविधाओं में सुधार के लिए आधुनिक प्रतीक्षालय और विश्राम कक्ष, बेहतर शौचालय और पेयजल कियोस्क की स्थापना शामिल है। इसमें बुनियादी ढांचे का विकास भी शामिल है, जैसे कि कवर्ड शेड का निर्माण, अतिरिक्त फुट ओवर ब्रिज (FOB), अधिक ट्रेनों और यात्रियों को कुशलतापूर्वक संभालने के लिए प्लेटफार्मों का उन्नयन। सुगमता में सुधार के लिए एस्केलेटर का प्रावधान भी किया जा रहा है। पीक ऑवर्स के दौरान भीड़ को प्रबंधित करने के लिए अतिरिक्त प्रवेश/निकास बिन्दुओं की स्थापना की गयी।

प्रतापनगर स्टेशन पुनर्विकास परियोजना एक आधुनिक, यात्री-अनुकूल रेलवे स्टेशन बनाएगी जिसमें कई नई सुविधाएं होंगी, जिसमें एक नया स्टेशन भवन और पर्याप्त पार्किंग स्थल, एक समर्पित ऑटो पार्किंग क्षेत्र शामिल है। यह कार्य लगभग 43 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से किया जा रहा है। पश्चिम रेलवे अमृत स्टेशन परियोजना के तहत गोधरा स्टेशन पर टिकटिंग सुविधाओं के साथ दूसरा प्रवेश द्वार विकसित कर रहा है, जिसकी अनुमानित लागत 6.18 करोड़ रुपये है। यह नया प्रवेश द्वार यात्रियों को स्टेशन तक अधिक आसानी से पहुंचने में मदद करेगा, जिससे उन्हें शहर के भीड़भाड़ वाले इलाके से बाहर निकलने में मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त, यह गोधरा स्टेशन के मुख्य प्रवेश द्वार पर भीड़भाड़ को भी कम करेगा।

मिनी चौपाटी में कचरे का अंबार

ठाणे पूर्व चेंदनी कोलीवाडा विसर्जन घाट की सड़क बनी डंपिंग ग्राउंड

दोपहर संवाददाता । ठाणे

ठाणे पूर्व में मिनी चौपाटी के नाम से पहचाना जाने वाला चेंदनी कोलीवाडा विसर्जन घाट के सड़क पर कचरे का अंबार लगा हुआ है। इससे परिसर में भयंकर बीमारियों का खतरा मड़रा रहा है। यहां के रहवासियों का दुर्गंध के कारण जीना दुस्वार हो गया है।सड़क पर कचरे को देखकर लगता है कि मिनी डंपिंग ग्राउंड है।

चेंदनी कोलीवाडा विसर्जनघाट परिसर में सुबह नागरिक टहलने और व्यायाम करने के लिए आते हैं। मनपा ने विसर्जन घाट का कायाकल्प किया है।वॉटरफ्रंट डेव्हलपमेंट परियोजना से इस परिसर की शोभा बढ़ गई है।एम्पी थिएटर, विविध प्रकार के पेड़ पौधे, बैठने के लिए उत्तम व्यवस्था के कारण यहां की शोभा बढ़ी है, लेकिन सड़क पर कचरे का लगा अंबार मनपा के घनकचरा विभाग के कार्य पर संदेह व्यक्त करता दिखाई दे रहा है।

बिजली विभाग के कार्यालय के बगल में सालों से कचरा फेका जाता है। पास की सोसायटी, दुकानदार, भाजीवाले, हॉटेल व्यवसायिक यहां आकर कचरा फेक रहे हैं। कचरा एक जगह एकत्रित नहीं होने के कारण अव्यवस्था है। इसलिए कचरा उठाने के लिए डंपर या जेसीबी मशीन का सहारा लेना पड़ता है। ऐतिहासिक नाम से पहचाना जाने वाला चेंदनी कोलीवाडा विसर्जन घाट पर मनपा की ओर से किया गया सौंदर्यीकरण की शोभा को कचरा बिगाड़ रहा है।

स्थानीय नागरिक पुंडलिक घाग (सावरकर नगर, ठाणे पूर्व)ने कहा कि इस कचरे के अंबार से परिसर की शोभा और स्वास्थ्य को खतरा बढ़ रहा है। इस विषय पर बातचीत के लिए मोबाइल फोन से संपर्क करने पर घनकचरा विभाग अधिकारी डॉ राणी शिंदे ने रिसीव नहीं किया।

दो बजे
दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई महानगर पालिका ने हटाए सीएम योगी के पोस्टर

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीति का बाजार गर्म है। चुनाव से पहले मंगलवार को मुंबई की कई सड़कों पर यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के पोस्टर नजर आए। जिन्हें अब मुंबई महानगर पालिका ने सड़कों से हटा दिया है।

पोस्टर अंधेरी ईस्ट, वेस्टर्न एक्सप्रेस और बांद्रा जैसे प्रमुख इलाकों में लगाए गए

जानकारी के अनुसार, सीएम योगी के पोस्टर अंधेरी ईस्ट, वेस्टर्न एक्सप्रेस और बांद्रा जैसे प्रमुख इलाकों में लगाए गए थे। मुंबई की सड़कों पर लगे इन पोस्टरों में सीएम योगी की तस्वीर के साथ स्लोगन भी लिखा हुआ है। पोस्टर पर लिखा है, बंटेंगे तो कटेंगे। योगी संदेश एक रहेंगे तो नेक रहेंगे, सुरक्षित रहेंगे। साथ ही पोस्टर पर विश्वबंधु राय भी लिखा दिख रहा है। बताया जा रहा है कि इस पोस्टरों को बीजेपी नेता विश्वबंधु राय ने लगवाए हैं। हालांकि, इस बारे में अभी कोई भी आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है।

अनमोल विचार आपको हमेशा सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास करना चाहिए : जॉनी कार्सन

एकता और शोभा कपूर से पुलिस ने की पूछताछ

मुंबई। मायानगरी मुंबई में पुलिस ने मंगलवार को एकता कपूर और शोभा कपूर से पॉक्सो मामले में पूछताछ की। एकता कपूर के बैनर अल्ट बालाजी के तहत बनी सीरीज गंदी बात में नाबालिग लड़कियों के आपत्तिजनक सीन को लेकर पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है और इसी से संबंधित पूछताछ एकता कपूर और उनकी मां शोभा कपूर से की गई है। 24 अक्टूबर को उन्हें फिर पूछताछ के लिए बुलाया गया है। दरअसल यह मामला ओटीटी प्लेटफॉर्म अल्ट बालाजी पर जारी हुई वेब सीरीज गंदी बात से जुड़ा हुआ है।

अर्टिगा में भड़की आग, देखते ही देखते जलकर हुई खाक

दोपहर संवाददाता । मुंबई

जोगेश्वरी पूर्व के जेवीएलआर मार्ग पर रामवाड़ी बस स्टॉप के पास एक टूरिस्ट अर्टिगा गाड़ी में मंगलवार शाम करीब सात बजे आग लग गई। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, लेकिन आग लगने से गाड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना के चलते जेवीएलआर मार्ग पर भारी ट्रैफिक जाम हो गया था। बताया जा रहा है कि पवई से जोगेश्वरी की ओर आ रही सीएनजी गाड़ी में शॉर्ट सर्किट के कारण अचानक आग भड़क गई। जैसे ही गाड़ी से धुआं उठता देखा गया, ड्राइवर और यात्रियों ने गाड़ी से बाहर कूदकर अपनी जान बचाई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोग आग बुझाने में जुट गए। मेघवाड़ी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति पर काबू पाया। अंततः, फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया, लेकिन देर से पहुंचने के कारण गाड़ी पूरी तरह जलकर खाक हो गई। स्थानीयों की मांगः जोगेश्वरी में फायर स्टेशन स्थापित करने की मांग जोर पकड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से यह मांग की जा रही है, लेकिन प्रशासन ने इस पर अब तक ध्यान नहीं दिया है।

60 फीसदी तक पूरा हुआ पनवेल -कर्जत रेल कॉरिडोर का काम

3 टनलों से होकर गुजरेंगी ट्रेन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

कर्जत-पनवेल के बीच बनाया जा रहा रेल कॉरिडोर का काम फुल स्पीड से चल रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 30 सितंबर 2024 तक इस कॉरिडोर का काम 60% पूरा हो गया है। सितंबर में इस लाइन की सुरंगों में गिट्टी-रहित ट्रैक बिछाने का काम भी शुरू कर दिया गया। पनवेल और कर्जत के बीच 29.6 किमी लंबी यह परियोजना आने वाले समय में यहां लोगों की यात्रा को सुखद और आसान बनाएगी। इस परियोजना के लिए 2,782 करोड़ रुपये खर्च किये जा रहे है। इस कॉरिडोर का काम मुंबई रेलवे डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एमआरवीसी) के माध्यम से मुंबई शहरी परिवहन परियोजना 3 के तहत किया जा रहा है।

दिसंबर 2025 में पूरा होगा प्रोजेक्ट

एक अधिकारी ने बताया की इस प्रोजेक्ट के पूरा होने की समय सीमा दिसंबर 2025 रखी गई है। फिलहाल टनलों में गिट्टी रहित ट्रैक बिछाने का काम शुरू हो गया है और सार्वजनिक आश्रय क्षेत्र के साथ-साथ एक सुरंग नियंत्रण प्रणाली, प्रकाश व्यवस्था, अग्निशमन प्रणाली, वेंटिलेशन प्रणाली का काम प्रगति पर है। प्रोजेक्ट में कुल 4 स्टेशन होंगे।

3 टनलों से होकर गुजरेंगी ट्रेन

कर्जत-पनवेल के बीच बनाए जा रहे इस रेलवे ट्रैक पर 3 टनल भी होंगी।इन टनल की खुदाई के लिए ऑस्ट्रेलियन टनलिंग तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। इन 3 टनलों में से 2 किमी लंबी वावरली टनल पूरी हो चुकी है। इस टनल की ख़ास बात यह है कि यह संपूर्ण मुंबई उपनगरीय रेलवे लाइन पर सबसे लंबी सुरंग है। इस परियोजना में दो रेलवे फ्लाईओवर,

44 बड़े और छोटे पुल, 15 अंडर-रोड पुल और सात सड़क पुल शामिल हैं। गौरतलब है कि कर्जत-पनवेल के बीच मौजूदा ट्रैक का इस्तेमाल माल और कुछ मेल एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए किया जाता है, लेकिन नए डबल लाइन कॉरिडोर के कारण पनवेल के रास्ते मुंबई और कर्जत के बीच लोकल ट्रेन चलाई जाएंगी।

मध्य रेल

TENDER NOTICE NO.: PA_D_RR MSU

वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता (डीजल), डीजल लोको शेड, घोरपुरी, पुणे इनके द्वारा निम्नलिखित कार्यों के लिए खुली निविदा आमंत्रित की है। 3-फेज एसी/डीजल लोकोमोटिव MSU मरम्मत/पूनर्वास **परिमाण** : 1) परिवहन और बीमा सहित MSU की मरम्मत, MSU की मरम्मत के बाद बुल गियर और एक्सेल जर्नल का स्नेहन करना – 378 संख्या 2) प्रोफिलिंग और बोर मशीनिंग के साथ व्हील डिस्क का प्रति:स्थापन (02 डिस्क प्रति व्हील सेट) -378 संख्या 3) RDSO SMI No. 0246 Rev 02 या नवीनतम जर्नल व्यास के परीरक्षा के अनुसार OD स्टेप साइज रेसर के प्रावधान के लिए जर्नल व्यास के अनुसार मिलान करना – 378 संख्या 4) स्थिति अनुसार आइटम ए) संपूर्ण एक्सेल बनाकर, एक्सेल ठीक से बदलना (AC और HHP लोको दोनों के लिए) – 105 संख्या बी) AC लोको के लिए नए MSU बियरिंग (DE और NDE) सेट के अनुसार आपूर्ति और प्रति:स्थापन (कुल 72 व्हील सेट के 40% AC लोको के लिए) – 29 संख्या सी) HHP लोको के लिए नए MSU बियरिंग (DE और NDE) सेट के अनुसार आपूर्ति और प्रति:स्थापन (कुल 306 व्हील सेट के 25% HHP लोको के लिए) – 76 संख्या डी) सेट के अनुसार नए CTRB बियरिंग (DE और NDE) की आपूर्ति और प्रति:स्थापन (कुल 306 व्हील सेट के 25% HHP लोको के लिए)-38 संख्या 5) जीएसटी. **अनुमानित लागत:** रु. 11,12,14,282.56/- **कार्य पूरा करने की अवधि:** 24 महीने। **बयाणा राशि:** रु. 7,06,100/- **वैधता:** खुलने की तारीख से 90 दिन । **सबमिशन:** समापन तिथि पर 15.00 बजे तक और उसी दिन (22.11.2024) दोपहर को 15.30 बजे खोला जाएगा। विवरण के लिए वेबसाइट www.ireps.gov.in पर जाएं।

SUN 28 अपने जानवरों को रेल लाइन से दूर रखे

रेल सुरक्षा बल द्वारा यात्रियों के सामान की चोरी का पता लगाने और रोकने के लिए विशेष प्रयास

दोपहर संवाददाता । मुंबई

पश्चिम रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल को रेलवे संपत्ति, यात्री क्षेत्र, यात्रियों और उनसे जुड़े मामलों की सुरक्षा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पश्चिम रेलवे के RPF कर्मी रेलवे और रेल यात्रियों की सुरक्षा के लिए उत्कृष्ट सेवा प्रदान कर रहे हैं। वे जरूरतमंद यात्रियों की मदद भी करते हैं और ऐसी महिलाओं और बच्चों को भी रेस्क्यू करते हैं, जिन्हें देखभाल और सुरक्षा की जरूरत होती है। इसी कड़ी में आगे बढ़ते हुए, पश्चिम रेलवे के RPF ने यात्री सामान की चोरी का पता लगाने और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए विशेष प्रयास किए हैं और स्टेशनों पर और ट्रेनों के अंदर महिला सुरक्षा की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी विनीत अभिषेक के अनुसार, आरपीएफ ने यात्रियों को उनके खोए हुए सामान को खोजने में मदद करने, यात्रियों की जान बचाने, दलालों, बदमाशों के खिलाफ कार्रवाई करने, अपराधियों को सलाखों के पीछे डालने आदि के लिए जनवरी से सितंबर 2024 तक कई विशेष पहल, अभियान और ऑपरेशन किए हैं। सितंबर 2024 तक, आरपीएफ और जीआरपी द्वारा यात्री सामान की चोरी के 6200 से अधिक मामले दर्ज किए गए हैं और 1300 से अधिक व्यक्तियों को गिरफ्तार किया गया है।

पश्चिम रेलवे आरपीएफ यात्रियों के सामान की चोरी और डकैती के मामलों का पता लगाने के लिए सीसीटीवी कैमरों और फेस रिकॉग्निशन सिस्टम (FRS) तकनीक का भी उपयोग कर रही है। सितंबर 2024 तक सीसीटीवी और एफआरएस तकनीक के जरिए टीओपीबी के 528 मामलों और डकैती के 7 मामलों का पता लगाया गया है। इस दिशा में आगे बढ़ते हुए पश्चिम रेलवे आरपीएफ ने यात्रियों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए कई शॉर्ट वीडियो लॉन्च किए हैं। इनमें यात्रियों को यात्रा के दौरान सामान चोरी होने के विभिन्न कारणों के बारे में जागरूक किया गया है। इन शॉर्ट वीडियो को यहां देखा जा सकता है और अंत में दिए गए क्यूआर कोड को स्कैन करके जागरूकता फैलाने के लिए साझा किया जा सकता है। विनीत ने बताया कि आरपीएफ ने चुनिंदा ट्रेनों में 15 'मेरी सहेली' टीमें भी तैनात की हैं और अकेले यात्रा करने वाली महिला यात्रियों की प्रभावी सुरक्षा के लिए प्रमुख रेलवे स्टेशनों पर 11 'ई-मेरी सहेली' टीमें शुरू की हैं। रोजाना औसतन 133 रात्रि मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों में आरपीएफ स्टाफ द्वारा निगरानी की जाती है और रोजाना 68 ट्रेनों में महिला यात्रियों की सुरक्षा के लिए मिश्रित ट्रेन एस्कॉर्टिंग के तौर पर आरपीएफ महिला और पुरुष स्टाफ की तैनाती की जाती है। रात्रि में उपनगरीय लोकल ट्रेनों में जीआरपी की तैनाती होती है। महिला डिब्बों के पास सीसीटीवी से निगरानी की जाती है और आरपीएफ/जीआरपी स्टाफ की भी तैनाती की जाती है। महिला यात्रियों की सहायता के लिए 'X' पर ऑनलाइन सहायता, ऑनलाइन वेब पोर्टल और 139 हेल्पलाइन चौबीसों घंटे उपलब्ध हैं। महिला यात्रियों की सुरक्षा संबंधी समस्याओं को हल करने के लिए सखी व्हाट्सएप ग्रुप भी बनाए गए हैं। किसी भी आपात स्थिति में ट्रेन के गार्ड से संवाद करने के लिए महिला डिब्बों में टॉकबैक सिस्टम लगाए गए हैं। सितंबर, 2024 तक पश्चिम रेलवे सुरक्षा बल ने छेड़छाड़ के 45 मामलों में 39 लोगों को और बलात्कार के 5 मामलों में 6 लोगों को गिरफ्तार किया है।

मध्य रेल
दिवाली विशेष ट्रेनें
बर्थ उपलब्ध हैं अभी बुक करें

सीएसएमटी, दादर और एलटीटी से ट्रेनें

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस ⇌ लातूर साप्ताहिक विशेष (6 सेवाएँ)

ट्रेन सं.	प्रस्थान	आगमन
01105	सीएसएमटी मुंबई से दि. 26.10.2024 से 09.11.2024 तक हर शनिवार को 00.30 बजे	उसी दिन लातूर में 11.40 बजे (3 सेवाएं)
01106	लातूर से दि. 26.10.2024 से 09.11.2024 तक हर शनिवार को 16.30 बजे	अगले दिन सीएसएमटी मुंबई में 04.10 बजे (3 सेवाएं)

हॉल्ट: दादर, ठाणे, कल्याण, लोनावाला, पुणे, उरुली, दौंड, भिगवान, जेउर, केम, कुर्दुवाड़ी, बारसी टाउन, उस्मानाबाद और हरंगुल

संरचना: 2 एसी-III टियर, 8 स्लीपर क्लास और 8 सेकंड क्लास जिसमें 2 गार्ड ब्रेक वैन शामिल हैं।

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस ⇌ कोल्हापुर साप्ताहिक सुपरफास्ट स्पेशल (8 सेवाएं)

ट्रेन सं.	प्रस्थान	आगमन
01417	सीएसएमटी मुंबई से दि. 24.10.2024 से 14.11.2024 तक हर शनिवार को 00.20 बजे	उसी दिन श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस, कोल्हापुर में 13.30 बजे (4 सेवाएं)
01418	श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस, कोल्हापुर से दि. 23.10.2024 से 13.11.2024 तक हर बुधवार को 00.20 बजे	अगले दिन सीएसएमटी मुंबई में 13.30 बजे (4 सेवाएं)

हॉल्ट: कल्याण, लोनावाला, पुणे, जेजुरी, लोनंद, सतारा, कराड, किर्लोस्करवाड़ी, सांगली और मिराज

संरचना: 1 एसी-II टियर, 4 एसी-III टियर, 10 स्लीपर क्लास और 5 सेकंड क्लास जिसमें 2 गार्ड ब्रेक वैन शामिल हैं

दादर ⇌ काजीपेट बल्हारशाह से साप्ताहिक विशेष (28 सेवाएँ)

ट्रेन सं.	प्रस्थान	आगमन
07198	दादर से दि. 27.10.2024 से 26.01.2025 तक हर रविवार को 15.25 बजे	अगले दिन काजीपेट में 21.30 बजे (14 सेवाएं)
07197	काजीपेट से दि. 26.10.2024 से 25.01.2025 तक हर शनिवार को 11.30 बजे	अगले दिन दादर में 13.25 बजे (14 सेवाएं)

हॉल्ट: कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड, नगरसोल, रोटागांव, लासूर, औरंगाबाद, जालना, परतूर, सेलु, परभणी, पूर्णा, हजूर साहिब नांदेड़, मुदखेड, भोकर, हिमायतनगर, सहस्रकुंड, किनवट, आदिलाबाद, पिंपलखुटी, लिंगती, कायेर , वाणी, भांडक, चंद्रपुर, बल्लारशाह, सिरपुर कागजनगर, बेल्लमपल्ली, मंचिर्याल, पेद्दापल्ली और जामिकुंटा

संरचना: दो एसी - II टियर, तीन एसी - III टियर, 8 स्लीपर क्लास और 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी जिसमें 2 गार्ड की ब्रेक वैन शामिल हैं।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस ⇌ सावंतवाड़ी रोड साप्ताहिक विशेष (6 सेवाएँ)

ट्रेन सं.	प्रस्थान	आगमन
01179	एलटीटी मुंबई से दि. 25.10.2024 से 08.11.2024 तक हर शुक्रवार को 08.20 बजे	उसी दिन सावंतवाड़ी रोड में 21.00 बजे (3 सेवाएं)
01180	सावंतवाड़ी रोड से दि. 25.10.2024 से 08.11.2024 तक हर शुक्रवार को 22.20 बजे	अगले दिन एलटीटी मुंबई में 10.40 बजे (3 सेवाएं)

हॉल्ट: ठाणे, पनवेल, पेन, रोहा, मानगांव, वीर, खेड़, चिपलुन, सावरदा, अरावली रोड, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, अदावली, विलावडे, राजापुर रोड, वैभववाड़ी रोड, नंदगांव, कंकावली, सिंधुदुर्ग और कुडाल।

संरचना: 1 एसी फर्स्ट क्लास, 2 एसी-आईआईटीयर, 6 एसी-III टियर, 8 स्लीपर क्लास, 1 पैंट्री कार और 2 जेनरेटर कार।

दादर ⇌ काजीपेट निजामाबाद से साप्ताहिक विशेष (26 सेवाएँ)

ट्रेन सं.	प्रस्थान	आगमन
07196	दादर से दि. 24.10.2024 से 30.01.2025 तक हर गुरुवार को 15.25 बजे	अगले दिन काजीपेट में 12.50 बजे (13 सेवाएं)
07195	काजीपेट से दि. 23.10.2024 से 29.01.2025 तक हर बुधवार को 17.05 बजे	अगले दिन दादर में 13.25 बजे (13 सेवाएं)

हॉल्ट: कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड, नगरसोल, रोटागांव, लासूर, औरंगाबाद, जालना, परतूर, सेलु, परभणी, पूर्णा, हजूर साहिब नांदेड़, मुदखेड, उमरी, धर्माबाद, बसर, निज़ामाबाद, आर्मूर, मेटपल्ली, कोराटला और लिंगमपेट जगित्याल

संरचना: दो एसी - II टियर, तीन एसी - III टियर, 8 स्लीपर क्लास और 4 सामान्य द्वितीय श्रेणी जिसमें 2 गार्ड की ब्रेक वैन शामिल हैं।

लोकमान्य तिलक टर्मिनस ⇌ करीमनगर साप्ताहिक विशेष (4 सेवाएँ)

ट्रेन सं.	प्रस्थान	आगमन
01067	एलटीटी मुंबई से दि. 29.10.2024 से 05.11.2024 तक हर मंगलवार को 15.30 बजे	अगले दिन करीमनगर में 08.30 बजे (2 सेवाएं)
01068	करीमनगर से दि. 30.10.2024 से 06.11.2024 तक हर बुधवार को 19.05 बजे	अगले दिन एलटीटी मुंबई में 13.40 बजे (2 सेवाएं)

हॉल्ट: ठाणे, कल्याण, इगतपुरी, नासिक रोड, मनमाड, नागरसोल, औरंगाबाद, जालना, परतूर, सेलु, परभणी, पूर्णा, हजूर साहिब नांदेड़, मुदखेड, धर्माबाद, बसर, निज़ामाबाद, आर्मूर, मेटपल्ली और कोराटला।

संरचना: 1 एसी प्रथम श्रेणी, 2 एसी-आईआईटीयर, 6 एसी-III टियर, 8 स्लीपर क्लास, 3 द्वितीय श्रेणी जिसमें 1 गार्ड की ब्रेक वैन, 1 पैंट्री कार और 1 जेनरेटर कार शामिल है।

पनवेल, पुणे और नागपुर से ट्रेनें

पनवेल ⇌ सावंतवाड़ी रोड साप्ताहिक विशेष (7 सेवाएँ)

ट्रेन सं.	प्रस्थान	आगमन
01177	पनवेल से दि. 23.10.2024 से 13.11.2025 तक हर बुधवार को 09.40 बजे	उसी दिन सावंतवाड़ी रोड में 20.05 बजे (4 सेवाएं)
01178	सावंतवाड़ी रोड से दि. 29.10.2024 से 12.11.2024 तक हर मंगलवार को 23.25 बजे	अगले दिन पनवेल में 08.40 बजे (3 सेवाएं)

हॉल्ट: रोहा, खेड़, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, कंकावली, सिंधुदुर्ग और कुदाल।

संरचना: 3 एसी-II टियर, 15 एसी-III टियर, 1 गार्ड की ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार।

पुणे ⇌ सावंतवाड़ी रोड साप्ताहिक विशेष (7 सेवाएँ)

ट्रेन सं.	प्रस्थान	आगमन
01175	पुणे से दि. 29.10.2024 से 12.11.2025 तक हर मंगलवार को 09.35 बजे	उसी दिन सावंतवाड़ी रोड में 22.30 बजे (3 सेवाएं)
01176	सावंतवाड़ी रोड से दि. 23.10.2024 से 12.11.2024 तक हर बुधवार को 23.25 बजे	अगले दिन पुणे में 12.15 बजे (4 सेवाएं)

हॉल्ट: लोनावाला, कल्याण, पनवेल, रोहा, खेड़, चिपलुन, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, कंकावली, सिंधुदुर्ग और कुदाल।

संरचना: 3 एसी-II टियर, 15 एसी-III टियर, 1 गार्ड की ब्रेक वैन और 1 जेनरेटर कार।

नागपुर ⇌ पुणे ⇌ नागपुर द्वि-साप्ताहिक एसी सुपर-फास्ट स्पेशल (12 सेवाएँ)

ट्रेन सं.	प्रस्थान	आगमन
01201	नागपुर से दि. 24.10.2024 से 11.11.2024 तक हर सोमवार और गुरुवार को 19.40 बजे	अगले दिन पुणे में 11.25 बजे (6 सेवाएं)
01202	पुणे से दि. 25.10.2024 से 12.11.2024 तक हर मंगलवार और शुक्रवार को 15.50 बजे	अगले दिन नागपुर में 06.30 बजे (6 सेवाएं)

हॉल्ट: वर्धा, धामनगांव, बडनेरा, अकोला, शेगांव, मलकापुर, भुसावल, मनमाड, कोपरगांव, बेलापुर, अहमदनगर, दौंड कॉर्ड लाइन और उरुली।

संरचना: 18 एसी III टियर +2 जेनरेटर कारें।

पुणे ⇌ करीमनगर साप्ताहिक विशेष (7 सेवाएँ)

ट्रेन सं.	प्रस्थान	आगमन
01451	पुणे से दि. 28.10.2024 से 11.11.2024 तक हर सोमवार को 22.45 बजे	तीसरे दिन करीमनगर में 02.00 बजे (3 सेवाएं)
01452	करीमनगर से दि. 23.10.2024 से 13.11.2024 तक हर बुधवार को 06.00 बजे	अगले दिन पुणे में 09.45 बजे (4 सेवाएं)

हॉल्ट: दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगांव, मनमाड, रोटेगांव, औरंगाबाद, जालना, परतूर, सेलू, परभणी, पूर्णा, हजूर साहिब नांदेड़, मुदखेड़, भोकर, हिमायतनगर, सहस्रकुंड, बोधाडी बुजुर्ग, किनवट, आदिलाबाद, पिंपलखुटी, माजरी, चंद्रपुर , बल्हारशाह, सिरपुर कागजनगर, मंचरियाल, रामागुंडम और पेद्दापल्ली।

संरचना: दो एसी III-टियर, 8 स्लीपर क्लास, 10 सामान्य द्वितीय श्रेणी सहित 2 सामान सह गार्ड ब्रेक वैन।

आरक्षण: ट्रेनों के लिए बुकिंग पहले से ही सभी पीआरएस काउंटरों और वेबसाइट www.irctc.co.in पर शुरू है।

इस विशेष ट्रेन के ठहरावों की विस्तृत जानकारी के लिए कृपया http://www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाएं या एनटीईएस ऐप डाउनलोड करें।

मध्य रेल
www.cr.indianrailways.gov.in
FOLLOW US ON /Central_Railway /Centralrailwayindia /Central_Railwayindia

SUN 494

कृपया सभी आरक्षित टिकटों के लिए मूल पहचान पत्र साथ लाएँ

अनिल देशमुख जल्द लाएंगे किताब

अपने और MVA सरकार के खिलाफ 'षड्यंत्र' का करेंगे पर्दाफाश

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख ने आज कहा कि वह जल्द ही अपनी एक किताब लेकर आएंगे जिसमें उन्हें झूठे आरोपों में फंसाकर उनके खिलाफ की गई साजिश का पुरा ब्यौरा होगा और उन लोगों को भी इस किताब में बेनकाब किया जाएगा जिन्होंने पिछली MVA सरकार को हटाने के लिए काम किया था। इस बाबत राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता देशमुख ने कहा कि उन्होंने 14 महीने की जेल के दौरान 'डायरी ऑफ होम मिनिस्टर' नामक पुस्तक लिखना शुरू किया था। उन्होंने कहा कि पुस्तक जल्द ही जारी होगी और यह मराठी, हिंदी और अंग्रेजी में उपलब्ध होगी। इस पुस्तक में यह भी बताया जाएगा कि लंबी अदालती लड़ाई के बाद वे किस तरह जेल से बाहर आए।

नवंबर 2021 में गिरफ्तारी

जानकारी दें कि पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख कथित भ्रष्टाचार के आरोप में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (CBI) के एक मामले का और धन शोधन के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा दर्ज एक अन्य मामले का सामना कर रहे हैं। देशमुख ने अप्रैल 2021 में राज्य के गृह मंत्री के पद से अपना इस्तीफा दे दिया था और नवंबर 2021 में उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। वहीं दिसंबर 2022 में उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। देशमुख ने किसी का नाम लिए बगैर कहा, 'यह किताब मेरे खिलाफ पूरी साजिश के बारे में बताएगी, कि कैसे मेरे जरिए महा विकास आघाडी (MVA) सरकार को उखाड़ फेंकने की कोशिश की गई और कैसे मुझे झूठे मामले में फंसाया गया तथा 14 महीने तक जेल में रखा गया, क्योंकि मैंने (उनकी बात मानने से) इनकार कर दिया था।' उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तक में यह भी जानकारी मिलेगी कि जब वह महाराष्ट्र के गृह मंत्री थे, तो उनके खिलाफ किसने और कैसे साजिश रची तथा यह भी कि कैसे और किसने तत्कालीन उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली MVA सरकार को गिराने के लिए काम किया। पूर्व गृह मंत्री देशमुख ने कहा कि इसमें यह भी बताया जाएगा कि कैसे उन्हें 14 महीने जेल में बिताने पड़े और कैसे उन्हें और उनके परिवार को एक झूठे मामले में परेशान किया गया है।

संपादकीय

गांदरबल का जख्म

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा के लिए शांतिपूर्ण ढंग से चुनाव संपन्न होने के बाद निर्वाचित सरकार की ताजपोशी का जश्न अभी पूरा भी नहीं हुआ था कि गांदरबल में आतंकियों ने कहर बरपा दिया। गांदरबल में हुए आतंकी हमले में एक सुरंग निर्माण स्थल पर काम करने वाले छह श्रमिकों और एक डॉक्टर की हत्या कर दी गई। इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है कि पाकिस्तान भारत, विशेषकर जम्मू-कश्मीर में अमन-चैन को नुकसान पहुंचाने की लगातार कोशिश करता रहेगा। चाहे कुछ भी हो, वह अपनी नापाक नीति से बाज नहीं आने वाला। यह कम चिंताजनक बात नहीं कि यह हमला इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन के दौरान विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के बीच अनौपचारिक बातचीत के कुछ ही दिन बाद हुआ है। पिछले दिनों जम्मू-कश्मीर के लोगों ने उत्साहपूर्वक मतदान करके लोकतंत्र और शांति-विकास में अपनी गहरे विश्वास को अभिव्यक्त किया था। वहीं दूसरी ओर सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों ने शांतिपूर्ण मतदान व केंद्रशासित प्रदेश में सरकार बनने के बाद अपनी सतर्कता शायद कुछ कम कर दी होगी। कुछ महीनों पहले जम्मू क्षेत्र को लगातार हिंसा का शिकार बनाने वाले आतंकवादियों ने रणनीति बदलकर कश्मीर को फिर से निशाने पर ले लिया है। इन खतरनाक मंसूबों से आतंकवादियों ने सरकार व सुरक्षाबलों को चौंकाया है। इसमें दो राय नहीं कि आतंकवादियों ने यह साजिश सुनियोजित ढंग से की है। जहां इस हमले का मकसद एक बुनियादी ढांचा परियोजना को बाधित करके घाटी के विकास को बाधित करना है, वहीं अन्य राज्यों से आए श्रमिकों की हत्या करके भारतीय संघवाद के ढांचे पर भी चोट करना भी है। ताकि अन्य राज्यों के श्रमिक डर के कारण घाटी न आ सकें। ऐसे हालात में केंद्र तथा केंद्रशासित प्रदेश की सरकार को शांति और सामान्य स्थिति बहाल करने के लिये मिलकर कार्य करने की जरूरत है। निश्चित रूप से केंद्रशासित प्रदेश की अर्थव्यवस्था में योगदान देने वाले पर्यटकों और प्रवासी श्रमिकों को सुरक्षा को लेकर आश्वस्त करना जरूरी है। यह नई बात नहीं है कि भारत पाकिस्तान को बार-बार आगाह करता रहा है ताकि वह आग से खेलने का काम न करे। बार-बार स्पष्ट किया गया है कि जब तक इस्लामाबाद तथा रावलपिंडी आतंकवदियों को भेजना व मदद करना बंद नहीं करते, तब तक द्विपक्षीय वार्ता शुरू नहीं की जा सकती। हाल ही में एससीओ में दोनों विदेश मंत्रियों की मुलाकात के बाद आस जगी थी कि दोनों के रिश्तों में लंबे समय से जमी बर्फ अब पिघलेगी। लेकिन ऐसा लगता है कि पाकिस्तान ने लगभग एक दशक बाद किसी भारतीय विदेश मंत्री की मेजबानी से प्राप्त होने वाले लाभ की संभावना को जल्द ही गंवा दिया है। पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को पिछले दिनों यह कहते हुए सुना गया था कि 'हमने पिछले 75 साल खो दिए हैं और यह महत्वपूर्ण होगा कि हम अगले 75 साल न खोएं।' हालांकि यह भी टकसाली सत्य है कि जब तक शरीफ बंधु पाकिस्तानी सेना को भारत में परेशानी पैदा करने से रोकने में असहाय रहेंगे, तब तक दोनों देशों के बीच बातचीत की कोई संभावना मुश्किल ही नजर आएगी। ऐसे में केंद्र व नवनिर्वाचित सरकार को सुरक्षा बलों के साथ आतंकवाद की इस नई चुनौती के खात्मे के लिये नई रणनीति पर काम करना होगा। वैसे कुछ समय पूर्व तक सुरक्षा बलों की सुनियोजित कार्रवाई में जीरो टॉलरेंस की नीति के कारण आतंकवादियों के हौसले पस्त हो गए थे। लेकिन अब जब विधानसभा चुनाव सफलतापूर्वक संपन्न हो चुके हैं तो सहयोग-सामंजस्य व वार्ता के दरवाजे भी खुले रखने पड़ सकते हैं। साथ ही इस संभावना पर भी विचार किया जाना चाहिए कि क्या इन आतंकवादियों के तार सीमा पार से संचालित ठिकानों से तो नहीं जुड़े हैं, जिन्हें पाकिस्तान के सत्ता प्रतिष्ठानों का संरक्षण व आर्थिक सहायता मिलती है। बहरहाल, जब इस केंद्रशासित प्रदेश में नवनिर्वाचित सरकार ने काम करना प्रारंभ कर दिया है तो केंद्र सरकार व सुरक्षाबलों के साथ तालमेल से इस चुनौती का मुकाबला हेतु नये सिरे से विचार किया जाना जरूरी है।

प्रतीकों का मोहताज नहीं न्याय

के.पी. सिंह

कुछ माह पहले सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चन्द्रचूड़ ने उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीशों के पुस्तकालय में न्याय-देवी की नई प्रतिमा का अनावरण किया था। ऐसा विचार है कि न्यायाधीशों की गैलरी की दीवार पर उकेरे गए एक भित्ति चित्र ने सीजेआई को भारतीय न्याय प्रणाली की विकसित प्रकृति का दस्तावेजीकरण करने के लिए न्याय प्रतिमा का भारतीयकरण करने का विचार दिया होगा। भित्ति चित्र में न्याय-देवी को एक भारतीय देवी के परिधान में चित्रित किया गया है, जिसकी आंखें खुली हैं और आंखों पर पट्टी भी नहीं है, पारम्परिक तलवार के स्थान पर देवी के हाथ में एक किताब (परिकल्पना है कि यह भारत का संविधान है) दिखाई देती है, जो इस बात का प्रतीक है कि नए भारत में न्याय अंधा नहीं है, और न ही केवल सजा देना न्याय प्रणाली का एकमात्र उद्देश्य है। लम्बे समय से न्यायपालिका और कानूनी संस्थानों से जुड़ी न्याय-देवी की प्रतिमा के डिजाइन में संशोधन को कुछ कानूनी जानकार और मीडिया के लोग भारत की न्याय प्रणाली को उपनिवेशवाद की छाया से बाहर निकालने की कवायद के रूप में भी देख रहे हैं, यद्यपि ऐसा प्रतीत नहीं होता है। न्याय-देवी की अवधारणा, चाहे वह पेंटिंग, मूर्ति अथवा धातु की मूर्ति के रूप में हो, दुनिया के लिए नई नहीं है। यह प्राचीन यूनान और मिस्र की सभ्यताओं से जुड़े मिथकों में हजारों वर्ष पहले से मौजूद रही है। ग्रीक देवी थेमिस, कानून, व्यवस्था और न्याय का प्रतीक मानी जाती है। मिस्र के लोग 'मात' को न्याय का प्रतिरूप मानते रहे हैं जिसके हाथ में तलवार और सत्य के पंख होते हैं। न्याय की देवी का सबसे सीधा और सरल प्रतिरूपण रोमन सभ्यता में देवी जस्टिसिया को माना गया है, जिसकी छवि आधुनिक समय में बनाई गई न्याय-देवी की प्रतिमा से मेल खाती है। देवी जस्टिसिया नैतिकता और न्याय निरूपण करने वाली मानी जाती रही है। न्याय-देवी की प्रतिमा का कोई सार्वभौमिक डिजाइन नहीं है और इसका स्वरूप अलग-अलग देशों में भिन्न-भिन्न अंगीकृत किया गया है। कुछ स्थानों पर न्याय-देवी को सर्प को कुचलते हुए चित्रित किया गया है जो यह प्रदर्शित करता है कि दुराचारियों और भ्रष्टाचार पर अन्ततः न्याय की ही जीत होती है। वहीं दूसरी ओर कुछ प्रतिमाओं में सर्प गायब है। भारतीय न्याय-देवी की नई प्रतिमा में भी सर्प दिखाई नहीं देता है। न्याय की प्रतिमा के सभी रूपों में तराजू दृष्टिगोचर होती है जो न्याय में निष्पक्षता और न्यायाधीशों द्वारा उनके समक्ष प्रस्तुत सभी साक्ष्यों को परखने के उनके दायित्व का बोध कराती है। न्याय-देवी की प्राचीन प्रतिमाओं में उसकी आंखों पर काली पट्टी नहीं होती थी, आंखों पर काली पट्टी का प्रचलन पहली बार सोलहवीं शताब्दी में शुरू हुआ था। ज़ाहिर तौर पर उस समय काली पट्टी इस बात की प्रतीक थी कि न्याय प्रणाली में कई निर्दोष लोग भी कानून की अज्ञानता और पेचीदगियों के कारण भुक्तभोगी होते हैं। कालान्तर में काली पट्टी को कानून की निष्पक्षता और कानून के समक्ष सब की बराबरी के रूप में देखा जाने लगा। काली पट्टी इस बात के प्रतीक के रूप में स्थापित हो गई कि न्याय के सामने राजनीति, धन-दौलत और शोहरत मायने नहीं रखती। उच्चतम न्यायालय ने गोधरा दंगों की पीड़िता जाहिरा शेख के मामले में वर्ष 2004 में न्याय-देवी की आंखों पर बंधी काली पट्टी की व्याख्या की थी जब जाहिरा तीन बार अदालत के सामने अपने दिये गये बयानों से मुकर गई थी। अदालत ने कहा था कि काली पट्टी केवल एक झीना पर्दा है जिसे उठाकर अदालतों को यह देखना चाहिए कि उनके समक्ष उपस्थित व्यक्ति कौन है और वह कैसे व्यवहार कर रहा है। इस प्रकार भारतीय उच्च न्यायालय ने काली पट्टी को एक पारदर्शी पर्दे की संज्ञा देकर यह साबित किया था कि कानून अंधा नहीं हो सकता और उसमें परिस्थितियों को देखने की क्षमता है। न्याय-देवी की नई प्रतिमा की आंखों से हटाई गई पट्टी को न्याय-विशेषज्ञों द्वारा एक नए युग की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जिसमें न्याय वादियों की हैसियत और धन-दौलत से प्रभावित नहीं होगा। प्रधान न्यायाधीश चन्द्रचूड़ ने भी आंखों पर पट्टी को हटाने को यह कहते हुए उचित ठहराया है कि कानून अंधा नहीं होता है, वह सभी को समान रूप से देखता है। दूसरी ओर, विभिन्न बुद्धिजीवियों और दार्शनिकों का मानना है कि न्याय-देवी की आंखों से पट्टी को हटा देने और हाथ में तलवार के स्थान पर संविधान की प्रति धारण करवा देने को न्याय की अवधारणा का भारतीयकरण नहीं माना जा सकता, जैसा कि कुछ अति-उत्साही समूहों द्वारा प्रचारित किया जा रहा है। उनका मानना है कि वैदिक तथा पौराणिक मिथकों में शनि देव और यमराज को न्याय के देवता के रूप में प्रतिबिम्बित किया जाता रहा है, शनि देव जीवित व्यक्तियों और यमराज मृतकों के साथ न्याय करते हैं। यदि न्याय-देवी का भारतीयकरण करना ही था तो इन देवताओं में से किसी को भी न्याय का प्रतीक मान लेना ज्यादा उचित होता। आलोचकों का यह भी तर्क है कि न्याय-देवी के हाथ में तलवार के स्थान पर संविधान की प्रति को थमाना भी युक्तिसंगत नहीं है। परम्परागत रूप से प्रत्येक भारतीय देवी-देवता के शरीर पर कोई न कोई अस्त्र-शस्त्र विभूषित होता है जो यह संदेश देता है कि उनमें दुष्टों के दमन करने की शक्ति भी निहित है। तलवार अदालत के फैसलों को हर हालत में लागू करवाने और बुराइयों के नष्ट करने का प्रतीक है, जबकि संविधान की किताब कानून के महत्व को दर्शाती है। वस्तुतः न्याय अधूरा है जब तक उसे लागू करने के लिए न्याय प्रणाली के हाथ में दमनकारी शक्तियां न हो। कानून और न्याय दो अलग-अलग अवधारणाएं हैं। ऑल इंडिया जजिज प्रकरण (1992) में जस्टिस कृष्णा अय्यर ने कहा था कि कानून लक्ष्य को प्राप्त करने का एक जरिया होता है और न्याय ही वह लक्ष्य है। इसलिए शस्त्र के बिना न्याय-देवी की प्रतिमा अधूरी ही है क्योंकि इसमें न्यायालय के फैसले को लागू करने वाले दमनकारी अस्त्र-शस्त्र का समावेश नहीं है। वह न्याय अधूरा ही रहेगा जिसे लागू न किया सके। कुछ मीडिया की रिपोर्टों में यह कहा जा रहा है कि न्याय-देवी की नई प्रतिमा न्याय प्रणाली के उपनिवेशवाद से मुक्ति का प्रतीक भी है। यह कथन सही प्रतीत नहीं होता है क्योंकि न्याय की अवधारणा का प्रतिरूपण हजारों वर्ष पुराना है जबकि उपनिवेशवाद उसके बहुत बाद की हकीकत है। इसलिए, यही सही होगा कि न्याय-देवी की नई प्रतिमा के प्रतीकों में ज्यादा कुछ न पढ़ा जाए, हालांकि कला के रूप में उनके ऐतिहासिक महत्व को नकारा नहीं जा सकता। न्याय प्रतीकों का मोहताज नहीं है, उसके अनेक आयाम और रंग हैं। अदालतों के बाहर न्याय की प्रतीक्षा में घूम रहे लोगों के चेहरों पर पढ़ा जा सकता है और समाज में व्याप्त शान्ति और व्यवस्था ही न्याय का सही निरूपण करते हैं।

जीवन मंत्र

जे कृष्णमूर्ति

सुनने, देखने, सीखने और जीने की कला

जब आप जीवन से भरे होते हैं - विक्षिप्त जीवन नहीं, समझदार, स्वस्थ जीवन - मृत्यु नामक उस असाधारण चीज़ की गहराई और अर्थ का पता लगाने के लिए। और यह प्रेम से संबंधित है। प्रेम जीवन और मृत्यु से अलग नहीं है।

कल सुबह हम डर के बारे में बात कर रहे थे, और हम यह भी कह रहे थे कि हमारी चेतना, हमारी सोच की संरचना, जो चेतना है, सोच, शक्ति की इच्छा, बचपन से हमें मिलने वाले कई घावों पर आधारित है, और हमने कल सभी भय से मुक्ति के बारे में भी बात की, और क्या मनुष्य जो हजारों वर्षों से जी रहा है, क्या यह संभव है कि वह भय के इस बोझ से पूरी तरह मुक्त हो सके। और मैं आज सुबह, अगर मुझे अनुमति हो, तो आनंद के बारे में बात करना चाहूँगा। हमारी चेतना की संरचनाओं में से एक भय, सुख और दुख है, और इससे पहले कि हम इसके बारे में बात करें, इसके बारे में जानें, मुझे लगता है कि हमें कुछ बहुत स्पष्ट और सरल रूप से समझना चाहिए: सुनने की कला, देखने की कला और सीखने की कला। 'कला' शब्द आम तौर पर कलाकारों के लिए लागू होता है, जो पेंटिंग करते हैं, जो कविताएँ लिखते हैं, मूर्तिकला करते हैं और इसी तरह, लेकिन उस शब्द 'कला' का अर्थ है हर चीज को उसका सही स्थान देना, अपने सभी विचारों, भावनाओं, चिंताओं आदि को उनके सही स्थान पर रखना। अतः 'कला' शब्द का अर्थ है, उचित स्थान देना, उचित अनुपात देना, सब कुछ सामंजस्य में रखना - न कि केवल चित्र बनाना या

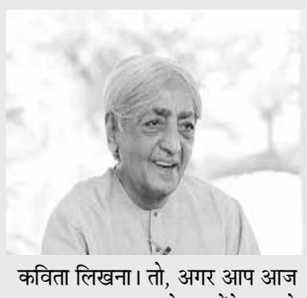

कविता लिखना। तो, अगर आप आज सुबह कला का प्रयोग करेंगे, सुनने की कला। हम शायद ही कभी किसी की बात सुनते हैं। हम अपने निष्कर्षों, अपने अनुभवों, अपनी समस्याओं, अपने निर्णयों से इतने भरे हुए हैं कि हमारे पास सुनने के लिए कोई जगह नहीं है। हमें कुछ जगह मिलनी चाहिए ताकि दो दोस्तों के रूप में, आप और मैं, वक्ता, एक पेड़ की छाया में, पहाड़ों को देखते हुए, एक साथ बैठकर अपनी समस्याओं पर बात कर रहे हों, लेकिन अपनी समस्याओं से चिंतित हों, और इसलिए वे एक-दूसरे को सुनने के लिए तैयार हों। और सुनना तभी संभव है जब आप अपनी विशेष राय, अपने विशेष ज्ञान या समस्या, अपने निष्कर्षों को एक तरफ रख दें; जब आप सुनने के लिए स्वतंत्र हों, व्याख्या करने के लिए नहीं, निर्णय लेने के लिए नहीं, मूल्यांकन करने के लिए नहीं, बल्कि वास्तव में सुनने की कला के लिए। बहुत सावधानी से, ध्यान से, स्नेह के साथ सुनना। और अगर हमारे पास ऐसी कला है, अगर हमने ऐसा सीखा है... बल्कि, अगर आप इस तरह सुनने में सक्षम हैं, तो संचार बहुत, बहुत सरल हो जाता है। कोई गलतफहमी नहीं होगी। संचार का अर्थ है साथ मिलकर सोचना, उन चीजों को साझा करना जिनके बारे में हम आपस में बात कर रहे हैं, एक राक्षसी भ्रष्ट दुनिया में रहने वाले दो इंसानों के रूप में समस्या में भाग लेना, जहाँ सब कुछ इतना बदसूरत, क्रूर, हिंसक और अर्थहीन है, यह बहुत महत्वपूर्ण है, मुझे ऐसा लगता है, अगर मैं बताऊँ, कि सुनने की कला में व्यक्ति तुरंत सीखता है, व्यक्ति तुरंत तथ्य को देखता है।

जीवन ऊर्जा

जॉनी कार्सनः जन्म- 23 अक्टूबर, 1925 — जन्म

आपको हमेशा सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास करना चाहिए

जॉनी कार्सन एक प्रसिद्ध अमेरिकी टेलीविज़न होस्ट, कॉमेडियन और लेखक थे, जिन्हें रद टुनाइट शो स्टारिंग जॉनी कार्सनर के होस्ट के रूप में अपने तीन दशक के कार्यकाल के लिए जाना जाता था। 23 अक्टूबर, 1925 को जन्मे, वे मनोरंजन जगत की एक जानी-मानी हस्ती बन गए, जो अपनी त्वरित बुद्धि, आकर्षण और मेहमानों से जुड़ने की क्षमता के लिए जाने जाते थे।

खुद को वेतन वृद्धि देने का सबसे अच्छा तरीका है अधिक उत्पादक बनने का प्रयास करना। आप कैसे दिखते हैं, यह मायने नहीं रखता, बल्कि आप कैसे व्यवहार करते हैं, यह मायने रखता है। आपको बस एक ही काम करना है, वह है मौज-मस्ती करने की कोशिश करना। मैंने कभी खुद को कॉमेडियन नहीं माना। मैंने हमेशा खुद को टॉक शो होस्ट के तौर पर सोचा। आप जीवन में बहुत ज़्यादा मौज-मस्ती नहीं कर सकते। चाल यह है कि आप जो हैं, उससे डरें नहीं। आपको वह खोजने की ज़रूरत है जो आपको पसंद है। और यह आपके काम के लिए उतना ही सच है जितना कि आपके प्रेमियों के लिए। मेरे हिसाब से, नौकरी का सबसे अच्छा हिस्सा अगले मेहमान की प्रत्याशा है। मुझे लगता है कि आप अपने बच्चों को जो सबसे बड़ा तोहफ़ा दे

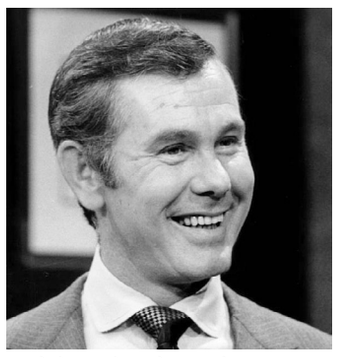

सकते हैं, वह है अपने समय के कुछ मिनट। केवल एक ही चीज़ आपको चोट पहुँचा सकती है, वह है वह चीज़ जिसे आप नहीं समझते। अगर आप कुछ अच्छा नहीं कहने जा रहे हैं, तो कुछ भी न कहें। आपको मुक्का सहने में सक्षम होना चाहिए। अपना सेंस ऑफ़ ह्यूमर बनाए रखें, और अपना नज़रिया बनाए रखें। आप नहीं जानते कि आप क्या नहीं जानते। आपको असफल होने के लिए तैयार रहना होगा। एक अच्छे शो का रहस्य इसे दिलचस्प बनाना है। जीवन ताश के खेल की तरह है। आपको जो हाथ मिला है, उसे खेलना है। यदि आप सफल होने जा रहे हैं, तो आपको खुद को वहाँ रखने के लिए तैयार रहना होगा। आपको हमेशा सर्वश्रेष्ठ बनने का प्रयास करना चाहिए। एक कॉमेडियन होने का सबसे अच्छा हिस्सा यह है कि आप लोगों को सबसे बुरे क्षणों में भी हँसा सकते हैं। यदि आपके पास दिल नहीं है तो आप मज़ाकिया नहीं हो सकते। सफलता खुशी की कुंजी नहीं है। खुशी सफलता की कुंजी है। कभी-कभी सबसे कठिन काम खुद होना है। सबसे महत्वपूर्ण बात खुद के प्रति सच्चे रहना है। दुनिया एक मंच है, और आपको अपना किरदार निभाना है।

शख्सियत

कित्तूर चेन्नम्मा

एक बहादुर रानी

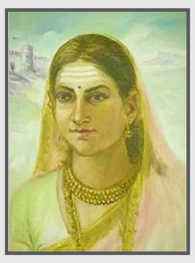

कित्तूर चेन्नम्मा का जन्म 23 अक्टूबर, 1778 को भारत के कर्नाटक के कित्तूर में हुआ था। वह एक साहसी रानी थीं जो अपनी बहादुरी और नेतृत्व के लिए जानी जाती थीं। राजा मल्लसरजा से विवाह करने के बाद चेन्नम्मा कित्तूर की रानी बनीं। 1816 में अपने पति की मृत्यु के बाद, उन्होंने राज्य की कमान संभाली क्योंकि उनके कोई संतान नहीं थी।

उनके शासनकाल के दौरान, ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने उनके राज्य पर नियंत्रण करने की कोशिश की। वे डॉक्ट्रिन ऑफ़ लैप्स को लागू करना चाहते थे, जिसका मतलब था कि अगर शासक के पास कोई पुरुष उत्तराधिकारी नहीं है तो वे राज्य पर दावा कर सकते हैं। चेन्नम्मा ने इसका कड़ा विरोध किया और अपना राज्य छोड़ने से इनकार कर दिया। 1824 में, उन्होंने ब्रिटिश सेना के खिलाफ विद्रोह का नेतृत्व किया। वह अपने लोगों के अधिकारों और अपने राज्य की स्वतंत्रता के लिए लड़ने से नहीं डरती थीं। चेन्नम्मा की लड़ाई को कित्तूर की लड़ाई के रूप में जाना जाता है। उसने एक बहादुर सेना इकट्ठा की और अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी। लड़ाई भयंकर थी, लेकिन अंग्रेज मजबूत थे और उनके पास बेहतर हथियार थे। दुर्भाग्य से, चेनम्मा को युद्ध के दौरान पकड़ लिया गया और उन्हें बंदी बना लिया गया। अपनी हार के बावजूद, उनके साहस ने भारत में कई लोगों को प्रेरित किया। 21 फरवरी, 1829 को कैद में रहते हुए कित्तूर चेनम्मा का निधन हो गया। उन्हें ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ़ प्रतिरोध के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है। आज, उन्हें भारत में एक राष्ट्रीय नायक के रूप में मनाया जाता है। उनके सम्मान में मूर्तियाँ और स्मारक बनाए गए हैं, और उनकी कहानी को भविष्य की पीढ़ियों को प्रेरित करने के लिए पढ़ाया जाता है। कित्तूर चेनम्मा की बहादुरी और दृढ़ संकल्प लोगों को न्याय और स्वतंत्रता के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करता है। चेनम्मा की विरासत जीवित है, और वह कई लोगों, खासकर महिलाओं के लिए प्रेरणा है। उन्होंने साबित किया कि एक महिला नेतृत्व कर सकती है और अपने अधिकारों के लिए लड़ सकती है। उनकी जीवन कहानी हमें साहस, शक्ति और अन्याय के खिलाफ़ खड़े होने के महत्व के बारे में सिखाती है। कित्तूर चेनम्मा को हमेशा एक सच्ची योद्धा रानी के रूप में याद किया जाएगा।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

हिन्दू देवियों के नाम और उनका परिचय

नवदुर्गा

1.शैलपुत्री पार्वती देवी
2.ब्रह्मचारिणी पार्वती देवी
3. चन्द्रघंटा : पार्वती देवी
4.कूष्मांडा पार्वती देवी
5.स्कंदमाता : पार्वती देवी
6. कात्यायनी ऋषि कात्यायन की पुत्री, महिषासुरमर्दिनी, तुलजा भवानी
7.कालरात्रि : पार्वती देवी
8.महागौरी : पार्वती देवी
9.सिद्धिदात्री : पार्वती देवीपर्वतराज हिमालय की पुत्री होने के कारण उन्हें शैलपुत्री भी कहा जाता है।

दुर्गा सप्तशती के अनुसार अन्य रूप

ब्राह्मणी, महेश्वरी, कौमारी, वैष्णवी, वाराही, नरसिंही, ऐन्द्री, शिवदूती, भीमादेवी, भ्रामरी, शाकम्भरी, आदिशक्ति और रक्तदन्तिका।

दस महाविद्याएं

1.काली भगवान शंकर की पत्नीं, असुर रक्तबीज का वध करने वाली अम्बा माता की बेटी, पार्वती की सखी
2.तारा प्रजापति दक्ष पुत्री, सती की बहन
3.छिन्नमस्ता देवी पार्वती का एक रूप है, सहचरणीं जया व विजया
4.त्रिपुरसुंदरी ललिता, राज राजेश्वरी, त्रिपुरा-भैरवी, त्रिपुरा और त्रिपुर सुंदरी जगदम्बा ही त्रिपुरा हैं
5.भुवनेश्वरी महालक्ष्मी स्वरूपा, शाकम्भरी और दुर्गा नाम से भी प्रसिद्ध, काली और भुवनेशी प्रकारांतर से अभेद है काली का लाल वर्ण स्वरूप ही भुवनेश्वरी हैं
6.त्रिपुरभैरवी नारदपाञ्चरात्र के अनुसार यह माता काली का ही स्वरूप हैमहिषासुर नामक दैत्य के वध से सम्बंधित हैं।

सभी योगिनिया-

1.त्रिपुर भैरवी
2.कौलेश भैरवी,
3.रूद्र भैरवी,
4.चैतन्य भैरवी,
5.नित्य भैरवी,
6.भद्र भैरवी,
7.श्मशान भैरवी,
8.सकल सिद्धि भैरवी
9.संपत प्रदा भैरवी
10. कामेश्वरी भैरवी इत्यादि. देवी त्रिपुर भैरवी का घनिष्ठ संबंध काल भैरव से है
7धूमावती सातवीं महाविद्या धूमावती को पार्वती का ही स्वरूप माना गया
8बगलामुखी
मां बगलामुखी का एक नाम पीताम्बरा भी है जो श्रीविद्या से उत्पन्न हुई है, इन्हें वैष्णवी भी कहा जाता है।
9. देवी मातंगी : मतंग मुनि की पुत्री, मातागिरी नाम से प्रसिद्ध
10. देवी कमला देवी कमला, भगवान विष्णु से संबंधित, समुद्र मंथन से उत्पन्नदीपावली के दिन शैव लोग काली की और वैष्णव लोग कमला की पूजा करते हैं. कमला को ही महालक्ष्मी कहा गया है।

चौंसठ योगिनियों के नाम में सभी प्रमुख देवियां

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

भूल सुधारें

हमारे जीवन में आने वाली असफलताएं हमें अनुभव देती हैं और भविष्य में होने वाली गलतियों से बचाती हैं। इसलिए इंसान को कभी मायूस नहीं होना चाहिए, उसे मेहनत करते रहना चाहिए। एक दिन ऐसा आएगा कि मेहनत का फल सफलता में बदल जाएगा। ऐसी ही कहानी है रोहित की। रोहित ने बड़े उत्साह से परीक्षा की तैयारी की। इसके बावजूद वह टॉप नहीं कर पाया और वह बहुत उदास व निराश रहने लगा। असफलता के गम में उसने पहले की तरह प्रयास करना छोड़ दिया। रोहित की इस परेशानी का पता जब उसके अध्यापक को पता लगा, जो उसके मार्गदर्शक थे तो उन्होंने एक दिन उसे अपने घर बुलाया। उन्होंने रोहित से परेशानी की वजह पूछी। रोहित ने उन्हें बताया की 'उसने दिन रात मेहनत की पर जैसा वो चाहता था वैसे नतीजे नहीं आए इसलिए वो हताश हो चुका है। रोहित की बात सुनने के बाद अध्यापक ने उसे अपने साथ बगीचे में चलने के लिए कहा। वो उसे टमाटर के पौधों के पास ले गए और बोले की इस टमाटर के इस खराब और मरे हुए पौधे को देखो।जब मैंने इस पौधे को बोया था तो मैंने इसे समय-समय पर सही मात्रा मे पानी दिया, खाद भी डाली और कीटनाशक का छिड़काव भी किया, पर फिर भी यह खराब हो गया। तो क्या?, रोहित बोला। इतनी सारी मेहनत, इतना पैसा और समय देने के बाद भी अगर जैसा रिजल्ट हम चाहते हैं वो न मिल पाए तो इतना सब कुछ करने से क्या फायदा है। अध्यापक बोले ऐसा नहीं है और उन्होने एक दरवाजे की तरफ इशारा करते हुए कहा की एक बार जरा इस दरवाजे को खोल कर देखो। रोहित ने दरवाजे को खोला और देखा की सामने बड़े-बड़े टमाटरों के ढेर पड़े हुए थे। उसने पूछा की, ये सब कहां से आए? अध्यापक बोले, टमाटर के एक पौधे के खराब होने का मतलब यह नहीं है कि सभी पौधे खराब हो गए। इसी तरह तुमने मेहनत तो की पर टॉप नहीं कर पाए लेकिन इसका मतलब यह नहीं है की तुम्हारी दिन रात की मेहनत खराब गई और तुम असफल हो गए। परीक्षा देते समय कई चीजें मायने रखती हैं, जिसमें लिखने की स्पीड, तबीयत, मनोस्थिति और भी बहुत कुछ जो सिर्फ मेहनत का पैमाना नहीं है। जो तुमने सीखा वो जिंदगी के हर मोड़ पर काम आएगा । मेहनत करने के बावजूद मनचाहा न मिलने का मतलब यह नहीं है की आप असफल हो गए। इसका मतलब है की आपने सफलता तक पहुचने की एक और सीढ़ी चढ़ी है।
कहानी का सारः
आज हार हुई है, तो कल जीत भी हो सकती है। हार के गम में सुधार की कोशिश छोड़ देना समझदारी नहीं होती है। निराश होने की जगह ये सोचना चाहिए कि हमसे कहां चूक हुई है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : **indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक :** राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

न्यूज़ ब्रीफ

UP में भाजपा नेता के होटल में कैसिनो का खुलासा

मेरठ। यूपी के मेरठ में भाजपा नेता के होटल में हाईफाई कैसिनो चलता मिला है। यहां सौ से ज्यादा टेबल लगाकर दिल्ली मुंबई से आईं विदेश मॉडल्स के साथ लाखों का वारा-न्यारा हो रहा था। आधी रात के बाद करीब एक बजे एसपी सिटी के नेतृत्व में हुई छापेमारी में 1.5 करोड़ कॉइन बरामद हुए हैं। पुलिस ने बीजेपी नेता नवीन अरोड़ा, छह युवतियों समेत 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। इनमें ज्यादातर रसूखदार हैं। नवीन अरोड़ा बीजेपी महानगर के कोषाध्यक्ष रह चुके हैं। मेरठ एसएसपी डॉक्टर विपिन ताड़ा को किसी ने होटल हारमनी इन में कैसीनो चलाने की सूचना दी थी। बातया था कि इसमें दिल्ली और मुंबई समेत कई राज्यों के लोग दांव लगाने आते हैं। सूचना देने वाले ने बताया कि होटल में ग्राहकों की एंट्री फीस एक लाख रुपए रखी गई है। एसएसपी ने एसपी सिटी आयुष विक्रम सिंह के नेतृत्व में टीम का गठन किया। टीम में सीओ ब्रह्मपुरी, सीओ कोतवाली और सीओ दौराला के साथ इन सर्किल के थानेदारों को भी शामिल किया गया। जैसे ही पुलिस टीम हारमनी इन होटल के फर्स्ट फ्लोर पर पहुंची तो वहां दिल्ली और मुंबई की मॉडल्स कैसीनो चला रही थीं। यहां अर्द्धनग्न अवस्था में मॉडल्स डांस करती भी देखी गईं।

बताया यह भी जा रहा है कि पुलिस के छापे की सूचना लीक कर दी गई थी। इससे होटल में अंधेरा कर दिया गया था। अंधेरे का फायदा उठाकर काफी लोग पुलिस के पहुंचने से पहले ही फरार हो गए। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज के आधार पर फरार लोगों की पहचान कर रही है। स्थानीय नौचंदी थाने की संदिग्ध भूमिका को देखते हुए उसे छापे से दूर रखा गया था।

जेल में बंद लॉरेंस का एनकाउंटर कर दिया जाए: शेखावत

वडोदरा। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई पर 1 करोड़ 11 लाख 11 हजार 111 रुपए का इनाम रखने वाले डॉ. राज शेखावत चर्चा में आ गए हैं। राज शेखावत ने कहा है कि जो पुलिसकर्मी लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर कर देगा उसे करणी सेना की ओर यह इनाम दिया जाएगा। शेखावत ने सरकार ने मांग की है कि जेल में बंद लॉरेंस का एनकाउंटर कर दिया जाए।

डॉ. राज शेखावत क्षत्रिय करणी सेना के संस्थापक और राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। गुजरात के वडोदरा से संगठन चलाने वाले शेखावत ने अपने एक्स बायो में बताया है कि वह बीएसएफ में सेवा दे चुके हैं। शेखावत का कहना है कि वह कारगिल युद्ध लड़ चुके हैं और कश्मीर घाटी में 8 सालों तक आतंकरोधी अभियानों का हिस्सा रह चुके हैं। डॉ. राज शेखावत ने लॉरेंस बिश्नोई के एनकाउंटर की मांग के पीछे वजह भी बताई है। उनका कहना है कि करणी सेना के बड़े नेता सुखदेव गोगामेड़ी की हत्या लॉरेंस बिश्नोई ने ही कराई थी और इस वजह से वह चाहते हैं कि उसका एनकाउंटर कर दिया जाए। शेखावत ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'मुझे सिर्फ इतना पता है कि हमारे धरोहर, परम आदरणीय अमर शहीद सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या लॉरेंस बिश्नोई द्वारा कराई गई थी। जो पुलिसकर्मी लॉरेंस बिश्नोई का एनकाउंटर करेगा उस पुलिसकर्मी को एक करोड़ 11 लाख 11 हजार एक सौ 11 रुपए का पुरस्कार करणी सेना द्वारा प्रदान किया जाएगा। देशवासियों को एक भयभीत नहीं भयमुक्त भारत की आवश्यकता है।'

'भाजपा किसी की सगी नहीं'

BJP अपने ही लोगों के खिलाफ कर रही साजिशः अखिलेश यादव

एजेंसी । लखनऊ

अखिलेश यादव ने बहराइच घटना पर भाजपा पर निशाना साधा है और कार्यकर्ताओं द्वारा दंगे किए जाने की पोल खोली है। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश के बहराइच में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक द्वारा अपनी ही पार्टी के स्थानीय नेताओं पर दंगे तथा अन्य गम्भीर आरोपों में मुकदमा दर्ज करवाये जाने पर तंज करते हुए मंगलवार को कहा कि सच तो यह है कि भाजपा अपने ही लोगों के खिलाफ साजिश रच रही है। सपा प्रमुख ने बहराइच की महसी सीट से भाजपा विधायक सुरेश्वर सिंह द्वारा गत 18 अक्टूबर को भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा के नगर अध्यक्ष अर्पित श्रीवास्तव समेत सात नामजद तथा अनेक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराये जाने का जिक्र करते हुए 'एक्स' पर एक मीडिया रिपोर्ट भी साझा की।

अखिलेश यादव ने शेयर किया पोस्ट

उन्होंने कहा, 'धिक्कार है ऐसी भाजपाई राजनीति और सत्ता की भूख पर जो सियासत के लिए दंगा कराने की साजिश करती है। बहराइच हिंसा के मामले में हर दिन नये खुलासे हो रहे हैं, जिनसे भाजपा मुंह दिखाने लायक नहीं रही है। भाजपा के विधायक ही भाजपाइयों पर साज़िश करने की शिकायत दर्ज करा रहे हैं और दंगाई छुपे कैमरे के सामने सच उगल रहे हैं।' उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के जो थोड़े बहुत समर्थक और वोटर बचे हैं, भाजपा का यह षड्यंत्रकारी और हिंसक रूप देखकर वे भी शर्मिंदा हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने अपने समर्थकों की भावनाओं को गुमराह करके, उनका इस्तेमाल अपनी सत्ता को बचाए-बनाए रखने के लिए किया है। उन्होंने कहा ''सच तो ये है कि भाजपा अपने ही लोगों के ख़िलाफ़ षड्यंत्र कर रही है। भाजपा भाजपाइयों से दंगे कराकर उन्हें ही फंसा रही है। तभी तो भाजपा का विधायक, भाजपाइयों के ख़िलाफ़ रिपोर्ट लिखवा रहा है।" अखिलेश यादव ने अपनी पोस्ट के साथ एक मीडिया रिपोर्ट भी साझा की है जिसमें दो कथित दंगाई पिछली 13 अक्टूबर को बहराइच के महाराजगंज में हुई साम्प्रदायिक वारदात के पीछे साजिश की तरफ इशारा करते और कुछ खुलासे करते दिख रहे हैं।

मुर्दाबाद के लगाए नारे

विधायक ने प्राथमिकी में आरोप लगाया है कि 13 अक्टूबर को हिंसा में मारे गये राम गोपाल मिश्रा के शव को बहराइच मेडिकल कालेज के समक्ष गेट पर रखकर भीड़ द्वारा प्रदर्शन किये जाने की खबर मिलने पर जब वह मौके पर पहुंचे तो अर्पित श्रीवास्तव और अन्य आरोपी एवं उनके समर्थकों ने 'मुर्दाबाद' के नारे लगाये और गाली-गलौज की। यह भी आरोप है कि उनकी गाड़ी को रोकने और जान से मारने की नीयत से पथराव किया गया और भीड़ से एक गोली भी चलायी गयी जिससे उनकी गाड़ी का शीशा टूट गया और उनके बेटे अखण्ड प्रताप सिंह बाल-बाल बचे।

13 अक्टूबर की घटना

महाराजगंज में पिछली 13 अक्टूबर को दुर्गा प्रतिमा विसर्जन जुलूस के दौरान तेज आवाज में संगीत बजाने को लेकर हुए विवाद में राम गोपाल मिश्रा (22) नामक युवक की गोली लगने से मौत हो गई थी। इस घटना के बाद सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। इसमें आगजनी और तोड़फोड़ की घटनाएं हुई थीं। इस घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचे बहराइच के महसी विधानसभा क्षेत्र के भाजपा विधायक सुरेश्वर सिंह ने इस मामले में पिछली 18 अक्टूबर को अपनी पार्टी के सहयोगी संगठन भाजयुमो के नगर अध्यक्ष अर्पित श्रीवास्तव समेत सात नामजद और अनेक अन्य अज्ञात उपद्रवियों के खिलाफ दंगा और उपद्रव के आरोप में शहर कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

आरोपियों पर दर्ज प्राथमिकी

प्राथमिकी के अनुसार आरोपियों को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 191 (दो), (साधारण दंगे का अपराध) 191 (तीन) (गैर कानूनी सभा में घातक हथियार से हमला), तीन (पांच) (अपराध का सामूहिक उत्तरदायित्व), 109 (1) (किसी की हत्या के इरादे से हमला), 324 (2) (शरारत), 351 (तीन) (व्यक्ति को चोट और संपत्ति को नुकसान पहुंचाना), 352 (जानबूझकर किसी का अपमान करना) और 125 (लोगों की जान और सुरक्षा को खतरे में डालना) के तहत निरूद्ध किया गया है।

120 की रफ्तार से गुजरेगा तूफान, एलर्ट मोड पर कोस्ट गार्ड

हेलीकॉप्टर और जहाज किए तैनात

कोलकाता। बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के कारण यहां चक्रवाती तूफान भीषण रूप ले रहा है। इस चक्रवाती तूफान के कारण आने वाले दिनों में यहां भारी बारिश हो सकती है जिसे लेकर भारतीय तटरक्षक बल समेत बंगाल और ओडिशा सरकार ने किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां कर ली हैं। आपात स्थितियों से निपटने के लिए यहां भारतीय तटरक्षक बल ने अपने जहाजों और विमानों को तैनात कर दिया है। इसके अलावा NDRF ने दोनों राज्यों में टीमों की तैनाती की है।

NDRF ने पश्चिम बंगाल में 14 और ओडिशा में 11 टीमों की तैनाती की है। इसके अलावा कोस्ट गार्ड ने मछुआरों और नाविकों को अभी समंदर में न जाने की सलाह दी है। लोगों को भी तटरेखा से दूर रहने के लिए कहा गया है। इससे पहले भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूर्वी-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर बने कम दबाव के क्षेत्र के चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की भविष्यवाणी की थी।

120 की रफ्तार से गुजरेगा तूफान

IMD के मुताबिक इस चक्रवाती तूफान के 25 अक्टूबर की सुबह पुरी और सागर द्वीप के बीच ओडिशा और पश्चिम बंगाल तट पार करने की आशंका है। इस दौरान यह तूफान 120 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गुजरेगा। ICG ने मंगलवार को दिए अपने बयान में कहा कि चक्रवाती तूफान की आशंका के मद्देनजर आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए उसने अपने जहाजों तथा विमानों को रणनीतिक रूप से तैयार कर लिया है। आईसीजी अत्यधिक सतर्क है और उसके समर्पित कर्मी तथा संसाधन सहायता, बचाव एवं राहत उपलब्ध कराने के लिए तैयार हैं।

हेलीकॉप्टर और रिमोट ऑपरेटिंग स्टेशन भी तैनात

इसके लिए ICG के कर्मी पश्चिम बंगाल तथा ओडिशा में स्थानीय प्रशासन और आपदा प्रबंधन प्राधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। इसके साथ ही मछुआरों और नाविकों को मौसम चेतावनी और सुरक्षा संबंधी परामर्श जारी करने के लिए पश्चिम बंगाल के हल्दिया और ओडिशा के पारादीप में कोस्ट गार्ड ने हेलीकॉप्टर और रिमोट ऑपरेटिंग स्टेशन भी तैनात किए हैं। हालातों को देखते हुए मछुआरों को चक्रवात के गुजरने तक समुद्र में नहीं जाने की सलाह दी गयी है। सभी लोगों को तटरेखा से दूर रहने के लिए कहा गया है। वहीं NDRF ने भी आपात परिस्थितियों से निपटने के लिए पश्चिम बंगाल में अब तक नौ दलों को तैनात किया है।

हम असहाय, घोर तनाव में; प्लीज मदद करें

रेप कांड पीड़िता के पिता ने अमित शाह को लिखी चिट्ठी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में करीब दो महीने पहले दुष्कर्म और हत्या की शिकार प्रशिक्षु महिला चिकित्सक के पिता ने मंगलवार को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मुलाकात का समय देने का अनुरोध किया है। मृतका के पिता ने कहा कि वह इस समय 'घोर मानसिक तनाव का सामना कर रहे हैं और असहाय महसूस कर रहे हैं।' उन्होंने केंद्रीय मंत्री को भेजे ई-मेल में कहा कि वह शाह से मार्गदर्शन और मदद चाहते हैं। पीड़ित पिता ने कहा कि मैं

अभया (काल्पनिक नाम) का पिता हूं और आपको यह पत्र इस विनम्र अनुरोध के साथ लिख रहा हूं कि आपकी सुविधा के अनुसार या आपके द्वारा सुझाए गए किसी स्थान पर मुलाकात का समय दिया जाए।

वक्फ पर JPC मीटिंग में बोतल तोड़ने वाले TMC सांसद पर ऐक्शन, हुए सस्पेंड

नई दिल्ली। वक्फ बिल पर हुई संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक के दौरान तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और पश्चिम बंगाल के श्रीरामपुर से सांसद कल्याण बनर्जी और भाजपा नेता अभिजीत गंगोपाध्याय के बीच तीखी बहस के बाद बैठक में हंगामा मच गया। इस दौरान कल्याण बनर्जी ने गुस्से में एक कांच की पानी की बोतल तोड़ दी, जिससे उनकी खुद की उंगली घायल हो गई। टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी को इस अनियंत्रित आचरण के लिए वक्फ बिल पर जेपीसी से एक दिन के लिए निलंबित कर दिया गया है। वक्फ बिल पर जेपीसी के सदस्य बनर्जी को समिति के अध्यक्ष जगदंबिका पाल के खिलाफ असंसदीय भाषा का इस्तेमाल करने और

कांच की बोतल तोड़ने और उन पर फेंकने के लिए लोकसभा नियम 261 और 374 (1) (2) के तहत एक दिन और दो बैठकों के लिए निलंबित कर दिया गया था। बनर्जी के निलंबन की मांग करने वाले प्रस्ताव के पक्ष में नौ और विपक्ष में आठ वोट पड़े।

यह घटना तब हुई जब वक्फ बिल पर चर्चा के दौरान कुछ विपक्षी सदस्यों ने सेवानिवृत्त न्यायाधीशों और वकीलों की भूमिका पर सवाल उठाए। बैठक की अध्यक्षता भाजपा सांसद जगदंबिका पाल कर रहे थे। इस चर्चा के दौरान कल्याण बनर्जी और भाजपा नेता अभिजीत गंगोपाध्याय के बीच जमकर तकरार हुई, जिसके बाद स्थिति और बिगड़ गई।

अंगूठे और तर्जनी उंगली पर लगी चोट

रिपोर्ट के मुताबिक, चश्मदीदों ने बताया कि बनर्जी ने गुस्से में पानी की कांच की बोतल उठाई और उसे जोर से मेज पर मार दिया, जिसके कारण उनके अंगूठे और तर्जनी उंगली पर चोट लगी। इस घटना के बाद ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के नेता असदुद्दीन ओवैसी और आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह ने उन्हें बैठक से बाहर निकालकर प्राथमिक चिकित्सा के लिए ले गए। सोमवार को भी वक्फ (संशोधन) विधेयक 2024 पर आयोजित संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की बैठक में तीखी बहस देखने को मिली।

केरल में कांग्रेस को बड़ा झटका

ए.के. शानिब ने पलक्कड से निर्दलीय चुनाव लड़ने का किया ऐलान

पलक्कड (केरल)। पलक्कड विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर केरल में कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। यहां युवा कांग्रेस के पूर्व नेता ए के शानिब ने इस विधानसभा सीट पर उपचुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर लड़ने की घोषणा की है। कांग्रेस ने इस सीट से युवा कांग्रेस अध्यक्ष राहुल ममकूटाथिल को प्रत्याशी बनाया है जिसे लेकर शानिब नाराज चल रहे थे। ममकूटाथिल को प्रत्याशी बनाए जाने के विरोध में शानिब ने पिछले सप्ताह ही पार्टी से इस्तीफा देने की घोषणा की थी।

अब कांग्रेस को झटका देते हुए शानिब ने मंगलवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस सीट से अपनी उम्मीदवारी का ऐलान किया है। इसे लेकर उन्होंने कहा कि वह 24 अक्टूबर को अपना नामांकन दाखिल करेंगे।

सतीसन और पराम्बिल पर लगाए थे आरोप

इससे पहले शानिब ने विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीसन और पराम्बिल पर भाजपा को फायदा पहुंचाने का आरोप लगाया था। उन्होंने सतीसन पर दो अन्य' लोगों के साथ पार्टी पर कब्जा जमाने और भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए पलक्कड में उपचुनाव कराने के लिए पराम्बिल को पलक्कड से वडाकरा लोकसभा सीट पर स्थानांतरित करने का आरोप लगाया था। इन आरोपों को दोहराते हुए शानिब ने कहा, मैंने यह सुनिश्चित करने के बाद ही फैसला लिया है कि मेरी उम्मीदवारी से भाजपा को किसी भी तरह फायदा न मिले।

पराम्बिल वडाकरा सीट से हैं MP

इससे पहले कांग्रेस की डिजिटल मीडिया इकाई के पूर्व संयोजक पी. सरीन ने भी सतीसन तथा पराम्बिल के खिलाफ ऐसे ही गंभीर आरोप लगाए थे। सरीन को पार्टी ने पहले ही निष्कासित कर दिया है। अब वे पलक्कड से माकपा के समर्थन वाले निर्दलीय उम्मीदवार हैं। उल्लेखनीय है कि पलक्कड विधानसभा सीट पर निवर्तमान विधायक एवं कांग्रेस नेता शफी पराम्बिल हाल में हुए संसदीय चुनावों में वडाकरा सीट से लोकसभा में चुने गए हैं। इसी कारण से यहां उपचुनाव कराने की आवश्यकता पैदा हुई है।

प्रदर्शन | स्मार्ट टॉयलेट गायब करने का आरोप

'शीशमहल' कमोड घोटाले को लेकर बीजेपी का अरविंद केजरीवाल के खिलाफ प्रदर्शन

नई दिल्ली। भाजपा के नेताओं ओर कार्यकर्ताओं ने आम आदमी पार्टी (आप) के संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर 'शीशमहल' को लेकर फिर से हमला बोला है। भाजपा ने मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान करदाताओं का पैसा निजी सुख-सुविधाओं पर खर्च करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ शहर भर में प्रदर्शन किया।

इस दौरान भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि केजरीवाल ने 6 फ्लैगस्टाफ रोड स्थित अपने सरकारी आवास 'शीशमहल' पर भोग विलासिता की चीजों और आधुनिक सुख सुविधाओं पर करोड़ों रुपये खर्च किए। बता दें कि दिल्ली के सीएम पद से इस्तीफा देने के बाद केजरीवाल ने सिविल लाइंस के फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले को इस महीने की शुरूआत में खाली कर दिया था। इस दौरान विरोध प्रदर्शन करते हुए दिल्ली भाजपा इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने आरोप लगाया कि 'शीशमहल' (फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगला) में लाखों रुपये खर्च कर लगाई गईं टॉयलेट की 15 सीट गायब हैं। सचदेवा ने कहा, 'हम लोगों को यह बताने के लिए प्रदर्शन कर रहे हैं कि केजरीवाल ने किस तरह करदाताओं का पैसा 12 लाख रुपये की स्मार्ट टॉयलेट सीट पर खर्च किया। ऐसी 15 टॉयलेट सीट चोरी हो गईं।'

आरोपों को लेकर आप ने नहीं दी प्रक्रिया

हालांकि भाजपा के इन आरोपों पर आप पार्टी ने अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। लेकिन, इससे पहले मुख्यमंत्री आतिशी ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा था कि वह फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगले पर कब्जा कर सकती है। आतिशी ने कहा, 'लेकिन वह दिल्ली के लोगों के लिए काम करना लगातार जारी रखेंगी, चाहे उन्हें सड़क पर बैठकर ही क्यों ने काम करना पड़े। बता दें कि इससे पहले सोमवार को भाजपा ने शीश महल में लगाए गए।

केजरीवाल से मांगा खर्च किए पैसों का हिसाब

भाजपा नेता सचदेवा ने आगे कहा, 'अरविंद केजरीवाल को करदाताओं के पैसे से शीशमहल में अपने लिए आलीशान सुविधाएं जुटाने पर खर्च किए गए करोड़ों रुपये का हिसाब देना होगा।" वहीं भाजपा की दिल्ली इकाई की सह-प्रभारी अलका गुर्जर ने कहा कि यह मुद्दा लोगों को सीधे तौर पर प्रभावित करता है क्योंकि इसमें करदाताओं का पैसा शामिल है और आप पार्टी को इसे लूटने की इजाजत नहीं दी जा सकती। वे फिरोजशाह रोड स्थित केजरीवाल के वर्तमान आवास के निकट प्रदर्शन कर रहे थे।

जबलपुर के खमरिया ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में ब्लास्ट

बिल्डिंग ढही, 13 घायल, 2 की दर्दनाक मौत

जबलपुर। मध्य प्रदेश से मिली एक सनसनीखेज कबर के अनुसार यहां के जबलपुर के खमरिया स्थित ऑर्डिनेंस फैक्ट्री में आज यानी मंगलवार सुबह एक बड़ा हादसा हुआ है। इस फैक्ट्री में एक जबरदस्त धमाका हुआ है, जिसमें 13 कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। वहीं दो कर्मचारियों की मौत हो गई है। इस भयंकर ब्लास्ट के बाद एक कर्मचारी लापता था, जिसका शव अब मिल चुका है। वहीं, एक अन्य कर्मचारी ने इलाज के दौरान दम तोड़ा है। मौके पर फैक्ट्री के कर्मचारियों की ओर से रेस्क्यू कार्य जारी है। आग को बुझाया जा रहा है। फैक्ट्री प्रबंधन ने तत्काल घायलों को पास के ही अस्पताल में भर्ती करवाया है।

जानकारी दें कि यह हादसा फैक्ट्री के F-6 सेक्शन में उस समय हुआ

जब एरियल बम में अचानक विस्फोट हो गया है। यह धमाका इतना तेज था कि पूरी बिल्डिंग ही धराशायी हो गई। इस बाबत सूत्रों की मानें तो, कई कर्मचारियों के अब भी मलबे में दबे होने की आशंका है।

वहीं एक अन्य रिपोर्ट की मानें तो यहां के F-6 सेक्शन में आज मंगलवार की सुबह पिच्योरा बम को बॉयल्ड आउट करते समय यह अचानक ही ब्लास्ट हो गया। जिस समय यह धमाका हुआ उस वक्त सेक्शन में लगभग 12 से 13 लोग काम कर रहे थे। सभी लोग घायल हुए हैं और दो कर्मचारियों की मौत हो गई है।वहीं घटना के तुरंत बाद ही फैक्ट्री प्रबंधन ने बचाव कार्य शुरू कर दिया था। मौके पर राहत और बचाव टीम मौके पर पहुंचकर दबे हुए कर्मचारियों को मलबे से निकालने में जुटी हुई है।

खबर संक्षेप

डंफर चालक की संदिग्ध मौत, हत्या की आशंका

मऊ : सरायलखंसी थाना क्षेत्र के बढुआ गोदाम फोरलेन पर मंगलवार सुबह एक डंफर चालक का शव मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान गोरखपुर के संतोष कुमार (35) के रूप में हुई है, जो एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में डंफर चलाता था। दूसरे ट्रक चालकों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद सीओ सिटी अंजनी कुमार और थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की। फारेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और आवश्यक जांच की। मृतक के सिर पर गंभीर चोट के निशान मिले, जिससे प्रथम दृष्ट्या हत्या की आशंका जताई जा रही है। संतोष का खलासी मौके से फरार है, जिससे पुलिस को शक और गहरा हो गया है। सीओ सिटी ने बताया कि मामले में अहम सुराग मिले हैं और फरार खलासी की तलाश की जा रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की जांच जारी है।

लीबिया में फंसे सत्येंद्र यादव की घर वापसी

लाटघाट (सगड़ी) : सगड़ी तहसील के रौनापार थाना क्षेत्र के रोशनगंज गांव निवासी सत्येंद्र यादव की लीबिया से वापसी ने उनके परिवार में खुशी की लहर दौड़ा दी। पांच साल तक विदेश में बंधक बने रहने के बाद सोमवार को वे अपने घर लौटे। उनके साथ देवरिया के दो और युवक भी वापस आए हैं, जबकि बाकी 16 लोग अब भी वहां फंसे हुए हैं। सत्येंद्र यादव 2019 में लीबिया के बेन गाजी शहर में सीमेंट कंपनी अलसहरी में काम करने के लिए गए थे।

झारखंड में INDIA गठबंधन में सीट बंटवारे पर घमासान

रांची : झारखंड में सत्ताधारी INDIA गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने इस मौके पर कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस को क्षेत्रीय पार्टियों की अहमियत समझनी चाहिए और भाजपा व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सीखना चाहिए कि सहयोगियों को कैसे साथ लेकर चला जाता है। उन्होंने कहा, गठबंधन में सीटों से ज्यादा सियासी खुरपेंच हैं। कांग्रेस के खानदानी खिलाड़ी सत्ता में आने की ही सोच रखते हैं। वहीं, राजद और वामपंथी पार्टियां भी सीट बंटवारे से नाखुश नजर आ रही हैं। राजद ने तो अकेले चुनाव लड़ने की चेतावनी दे डाली है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पहले कहा था कि 70 सीटों पर झामुमो और कांग्रेस लड़ेंगी, जबकि 11 सीटें राजद और वामपंथियों के लिए छोड़ी गई हैं। इसके चलते गठबंधन में असंतोष बढ़ता जा रहा है।

यूपी बनेगा अमेरिका को हथियार निर्यात करने वाला पहला राज्य

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश जल्द ही इतिहास रचने वाला है, क्योंकि यह देश का पहला राज्य होगा जो अमेरिका को हथियार निर्यात करेगा। ब्रिटिश शस्त्र कंपनी वेब्ले ने यूपी को अपना केंद्र बनाते हुए यहां अपनी ऐतिहासिक रिवॉल्वर 'वेब्ले-455' का उत्पादन करने का निर्णय लिया है।

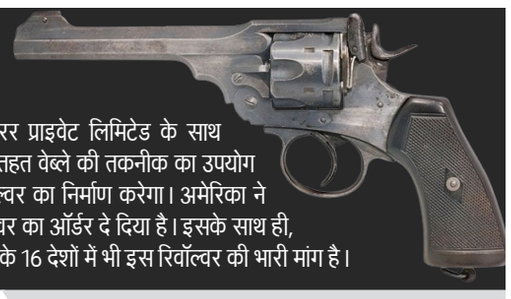

वेब्ले-455 का उत्पादन और निर्यात

वेब्ले ने भारत में स्याल मैन्युफैक्चरर प्राइवेट लिमिटेड के साथ साझेदारी की है। इस साझेदारी के तहत वेब्ले की तकनीक का उपयोग करते हुए स्याल मैन्युफैक्चरर रिवॉल्वर का निर्माण करेगा। अमेरिका ने पहले ही 10,000 वेब्ले-455 रिवॉल्वर का ऑर्डर दे दिया है। इसके साथ ही, साउथ अमेरिका, ब्राजील और यूरोप के 16 देशों में भी इस रिवॉल्वर की भारी मांग है।

युद्धों में इस्तेमाल

यह रिवॉल्वर प्रथम और द्वितीय विश्वयुद्ध के अलावा आयरलैंड स्वतंत्रता संग्राम, इंडोनेशिया राष्ट्रीय आंदोलन, भारत-चीन युद्ध, कोरिया युद्ध, और वियतनाम युद्ध में भी उपयोग की गई थी।

ऐतिहासिक वेब्ले-455 की वापसी

वेब्ले-455 पहली बार 1887 में डिज़ाइन की गई थी और 1924 तक इसका निर्माण हुआ। यह रिवॉल्वर प्रथम और द्वितीय विश्व युद्धों सहित कई ऐतिहासिक संघर्षों में इस्तेमाल की गई थी। अब, 100 साल बाद, यह ऐतिहासिक हथियार उत्तर प्रदेश में पुन: जीवित होने जा रहा है।

यूपी की औद्योगिक नीति का योगदान

वेब्ल स्कॉट इंडिया के निदेशक मनिंदर स्याल के अनुसार, उत्तर प्रदेश की औद्योगिक नीति ने कंपनी को यहां निर्माण के लिए प्रेरित किया। राज्य की नीतियों से प्रभावित होकर वेब्ले ने यूपी को अपना मुख्यालय चुना। इस फैसले से न केवल यूपी बल्कि पूरे भारत के लिए एक विशाल वैश्विक बाजार खुल गया है।

लखनऊ में सिल्क एक्सपो का उद्घाटन

मुख्यमंत्री योगी ने किया किसानों को सम्मान

एजेंसी | लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को लखनऊ के इंदिरा नगर में आयोजित सिल्क एक्सपो का उद्घाटन किया और किसानों को सम्मानित किया। इस मौके पर उन्होंने उत्तर प्रदेश की प्रगति पर बात करते हुए कहा कि राज्य की संभावनाओं के मुकाबले अब तक का विकास पर्याप्त नहीं है।

सिल्क उत्पादन और किसानों के लिए अपार संभावनाएं

मुख्यमंत्री ने कहा कि कपड़ा जीवन की आवश्यकताओं में शामिल है और यह रोजगार के साथ-साथ किसानों की आय बढ़ाने का भी एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने सिल्क उत्पादन में संभावनाओं को देखते हुए यूपी के विभिन्न जिलों में सिल्क क्लस्टर स्थापित करने के केंद्र सरकार के कदमों की सराहना की। बनारसी साड़ियों की बढ़ती मांग का ज़िक्र करते हुए उन्होंने कहा कि सिल्क क्लस्टर के माध्यम से स्थानीय उत्पादकों को नई ऊंचाइयां मिलेंगी।

आधुनिक तकनीक और रेशम उत्पादन

रेशम उत्पादन की तकनीक में बदलाव की आवश्यकता पर जोर देते हुए योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पुरानी तकनीकों को आधुनिक तरीकों के साथ जोड़ने का समय आ गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क 1000 एकड़ भूमि में विकसित हो रहा है, जो राज्य के रेशम उत्पादन और उद्योगों को नई दिशा देगा।

गंगा में स्नान के दौरान दो किशोरों की डूबने से मौत

एजेंसी | गाजीपुर

गहमर कोतवाली के बारा गांव में मंगलवार की सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे गांव को शोक में डाल दिया। दशकर्म के दौरान गंगा में स्नान करने गए दो किशोर गहरे पानी में डूब गए, जिसके बाद से उनके शव की तलाश की जा रही है।

स्नान के दौरान हुआ हादसा

बारा गांव के मोहित शर्मा (14) और अमन शर्मा (16) अपनी दादी के दशकर्म पर मंगलवार सुबह करीब 6 बजे गंगा में स्नान के लिए गए थे। इसी दौरान वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। आस-पास मौजूद लोगों ने उन्हें बचाने की भरसक कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे।

पुलिस और राहत टीमों की तलाश जारी

घटना की सूचना मिलते ही गहमर कोतवाली के प्रभारी निरीक्षक आरएस नागर और बारा चौकी प्रभारी विवेक कुमार पाठक मौके पर पहुंचे। एनडीआरएफ और एसटीआरएफ की टीमों को तुरंत सूचित किया गया। ग्रामीणों ने भी चार घंटे तक किशोरों की तलाश की, लेकिन अभी तक दोनों के शव नहीं मिल सके हैं।

सिलेंडर ब्लास्ट से बड़ा हादसा

एक ही परिवार के छह लोगों की मौत

एजेंसी | बुलंदशहर

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में सोमवार शाम एक बड़ा हादसा हुआ, जिसमें सिलेंडर फटने से एक घर ढह गया और एक ही परिवार के छह लोगों की जान चली गई। घटना में पांच बच्चों समेत आठ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सिलेंडर ब्लास्ट से ढहा घर

सिकंदराबाद की आशापुरी कॉलोनी में रात करीब नौ बजे यह दर्दनाक हादसा हुआ। सिलेंडर ब्लास्ट इतना शक्तिशाली था कि पूरे घर की दीवारें और छत गिर गईं। विस्फोट की आवाज दूर-दूर तक सुनी गई, जिससे आसपास के घर भी हिल गए।

राहत और बचाव कार्य जारी

जैसे ही घटना की सूचना मिली, दमकल विभाग, पुलिस, नगर निगम और एनडीआरएफ की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत कार्य शुरू कर दिया। मलबे में फंसे लोगों को निकालने के लिए जेसीबी की मदद ली गई।

मृतकों की पहचान और मुख्यमंत्री का शोक

इस हादसे में जिनकी जान गई, उनमें धेवती हिवजा, रियाजुद्दीन, उनकी पत्नी रुखसाना, बेटे सलमान और आस मोहम्मद और बेटी तमन्ना शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दुर्घटना पर गहरा शोक जताते हुए अधिकारियों को पीड़ित परिवारों को हरसंभव सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए हैं।

गोपालगंज में साइबर अपराधी गिरफ्तार

- क्रिप्टो करेंसी के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग का खुलासा
- अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराध से जुड़े तार

एजेंसी | गोपालगंज

बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़े साइबर अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से मनी लॉन्ड्रिंग में लिप्त था। गिरफ्तार आरोपी अतुल कुमार सिंह, चीन, रूस, पाकिस्तान, नाइजीरिया और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों के व्हाट्सएप और टेलीग्राम ग्रुप्स से जुड़कर भारत का डाटा विदेशों में भेजता था। उसके पास से पुलिस ने 24,000 रुपये नकद, दो मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और पासबुक बरामद किए हैं। पुलिस अधीक्षक अवधेश दीक्षित ने बताया कि आरोपी बिटकॉइन और क्रिप्टो करेंसी के जरिए कई विदेशी नागरिकों के साथ पैसों का लेन-देन कर रहा था। जांच में पता चला कि आरोपी ने भारतीय डाटाबेस भी विदेशी साइबर अपराधियों को बेच दिया था, जिससे वे लोग क्रिप्टो करेंसी के माध्यम से पैसा मंगाते थे। पुलिस की जांच में यह भी सामने आया कि अतुल कुमार सिंह का कई अंतरराष्ट्रीय साइबर अपराधियों से संपर्क था।

बिहार-झारखंड में फर्जी कॉल और मैसेज का जाल

एजेंसी | पटना

बिहार-झारखंड में फर्जी कॉल और मैसेज के जरिए लोगों को ठगने के मामलों में तेजी देखी जा रही है। एयरटेल द्वारा जारी आंकड़ों से इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। कंपनी ने खुलासा किया है कि 27 दिनों के भीतर उसने इस क्षेत्र में 22 करोड़ से अधिक स्पैम कॉल्स और 70 लाख से ज्यादा स्पैम मैसेज की पहचान की है। एयरटेल की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित तकनीक ने इन स्पैम कॉल्स और मैसेज का पता लगाया है। भारती एयरटेल के बिहार-झारखंड सर्किल के सीईओ सुजॉय चक्रवर्ती ने पटना में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्पैम कॉल्स की यह संख्या समस्या की गंभीरता को दर्शाती है, जो अब विकराल रूप ले चुकी है।

यूपी उपचुनाव: सपा ने कानून व्यवस्था पर साधा निशाना

अखिलेश यादव का आरोप: सरकार महिलाओं की सुरक्षा में विफल

एजेंसी | लखनऊ

यूपी में उपचुनाव की तारीखों के ऐलान के साथ ही राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने प्रदेश की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि सरकार महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे पर पूरी तरह असफल साबित हुई है। उन्होंने कहा, प्रदेश में रोजाना महिलाओं के खिलाफ अपराधों की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन सरकार कोई ठोस कदम नहीं उठा रही।₹ बहराइच में हुई हिंसा का जिक्र करते हुए उन्होंने सरकार को निशाने पर लिया और कहा कि वह आम जनता को सुरक्षा प्रदान करने में नाकाम रही है। इस बीच, अंबेडकरनगर के कटेहरी विधानसभा सीट के उपचुनाव के लिए समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार शोभावती वर्मा ने अपना नामांकन दाखिल किया। उन्होंने दो सेट में पर्चा भरा, जिसमें सपा के वरिष्ठ नेता लालजी वर्मा, राम अचल राजभर और त्रिभुवन दत्त भी मौजूद थे।

व्यापार जगत

शेयर बाजार में भारी गिरावट

- सेंसेक्स 930 अंक टूटा

एजेंसी | मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद एक बार फिर बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 900 अंक से अधिक गिरकर बंद हुआ, वहीं निफ्टी भी 24,500 के नीचे चला गया।

सेंसेक्स और निफ्टी का प्रदर्शन

बंबई स्टॉक एक्सचेंज (BSE) के 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 930 .55 अंक यानी 1.15 प्रतिशत गिरकर 80,220 .72 स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के 50 शेयरों पर आधारित निफ्टी 309 .00 अंक यानी 1.25 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,472 .10 के स्तर पर बंद हुआ।

शेयरों में गिरावट का ब्योरा

कारोबार के अंत में करीब 553 शेयरों में तेजी देखने को मिली, जबकि 3,264 शेयरों में गिरावट आई। निफ्टी की कंपनियों में अडानी एंटरप्राइजेज, महिंद्रा एंड महिंद्रा, और टाटा स्टील सबसे ज्यादा गिरने वाले शेयरों में शामिल रहे। दूसरी ओर, आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले इंडिया, और इंफोसिस के शेयरों में बढ़त दर्ज की गई।

सेंसेक्स की स्थिति

सेंसेक्स की 30 में से केवल 3 कंपनियों के शेयर हरे निशान पर बंद हुए, जिनमें आईसीआईसीआई बैंक, नेस्ले इंडिया, और इंफोसिस शामिल हैं। महिंद्रा एंड महिंद्रा, एसबीआई, और टाटा मोटर्स जैसे शेयर सबसे ज्यादा गिरने वालों में रहे।

दूसरी तिमाही के नतीजे

इस बड़ी गिरावट का मुख्य कारण कंपनियों के दूसरी तिमाही के नतीजे माने जा रहे हैं, जिसने बाजार को नीचे की ओर खींचा। बीएसई पर सूचीबद्ध सभी कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 9 .34 लाख करोड़ रुपये घटकर 444 .31 लाख करोड़ रुपये रह गया, जिससे निवेशकों की पूंजी में लगभग 9 लाख करोड़ रुपये की गिरावट आई।

भारतीय रुपया स्थिर

मंगलवार को भारतीय रुपया 84 .07 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ। सुबह बाजार मिश्रित वैश्विक संकेतों के बावजूद सपाट स्तर पर खुला। सेंसेक्स 41.02 अंक यानी 0 .05 प्रतिशत बढ़कर 81,192 .29 पर खुला, वहीं निफ्टी भी 17 .20 अंक यानी 0 .07 प्रतिशत बढ़कर 24,798 .30 के स्तर पर खुला। प्री-ओपनिंग सत्र में बेंचमार्क सूचकांक मजबूती के साथ कारोबार करते नजर आए थे, लेकिन दिन के अंत में बड़ी गिरावट देखने को मिली।

कमजोर लिस्टिंग के साथ गिरा हुंडई मोटर इंडिया का शेयर

एजेंसी | मुंबई

हुंडई मोटर इंडिया के शेयरों की बाजार में कमजोर शुरुआत ने निवेशकों को निराश किया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) दोनों ही सूचकांकों पर कंपनी के शेयर पहले ही दिन 5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,844.6 रुपये पर आ गए। आईपीओ के मूल्य 1,960 रुपये से यह 1.3 प्रतिशत कम था। एनएसई पर हुंडई मोटर इंडिया के शेयरों की लिस्टिंग 1,934 रुपये पर हुई, जो आईपीओ मूल्य से 26 रुपये कम है। स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट की वेल्थ हेड शिवानी न्याति ने बताया कि 1.33 प्रतिशत की यह गिरावट उम्मीदों के अनुरूप रही। बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि इस धीमी शुरुआत के पीछे रिटेल निवेशकों की कमजोर मांग प्रमुख वजह है। हुंडई मोटर के आईपीओ में निवेशकों की दिलचस्पी कम रही, जिसका मुख्य कारण इसकी उच्च वैल्यूएशन और ग्रे मार्केट में प्रीमियम गिरावट रही। एमके ग्लोबल के विशेषज्ञ चिराग जैन के अनुसार, त्योहारी सीजन में ऑटो सेक्टर की मांग कमजोर होने के कारण भी निवेशकों ने इससे दूरी बनाई। इसके अलावा, निवेशकों को यह जानकारी भी मिली कि निवेश का हिस्सा देश के बाहर जाएगा, जिससे कई निवेशकों ने अपने लॉट बुकिंग कैंसिल कर दिए। हुंडई मोटर इंडिया के नए उत्पादों की लॉन्चिंग में भी कमी दिखाई दी। एमके ग्लोबल की रिपोर्ट के अनुसार, अगले 12-18 महीनों में केवल क्रेटा ईवी के अलावा कोई बड़ा लॉन्च नहीं दिख रहा है। किआ जैसी प्रतिस्पर्धी कंपनियों ने भारत में अधिक आक्रामक रूप से अपनी क्षमता का विस्तार किया है, जिससे हुंडई को और भी चुनौती मिल रही है।

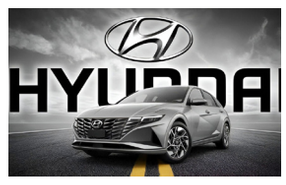

Ambuja Cements का बड़ा दांव

8,100 करोड़ में खरीदेगी Orient Cement की 46.8% हिस्सेदारी

एजेंसी | नई दिल्ली

अदाणी ग्रुप की अंबुजा सीमेंट्स ने एक बड़ा कदम उठाते हुए ओरिएंट सीमेंट लिमिटेड में 46.8 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने का ऐलान किया है। यह डील 8,100 करोड़ रुपए में की जाएगी, जहां प्रति शेयर मूल्य 395.4 रुपए रखा गया है। इस डील से अंबुजा सीमेंट्स ने आदित्य बिड़ला ग्रुप की Ultratech को पछाड़ दिया है, जो इस अधिग्रहण के लिए दौड़ में थी। अंबुजा सीमेंट्स का यह अधिग्रहण कंपनी के 2030 तक 140 मिलियन टन प्रति वर्ष (MTPA) उत्पादन क्षमता के लक्ष्य को हासिल करने का एक हिस्सा है। पिछले साल दिसंबर में अंबुजा ने सांघी सीमेंट का अधिग्रहण किया था, और इसके बाद इस साल जून में पेन्ना सीमेंट के साथ डील की थी। कंपनी इस अधिग्रहण को दो चरणों में पूरा करेगी। पहले चरण में, अंबुजा 37.9 प्रतिशत हिस्सेदारी ओरिएंट सीमेंट के प्रमोटरों से और 8.9 प्रतिशत हिस्सेदारी कुछ पब्लिक शेयरहोल्डर्स से खरीदेगी। इसके बाद, कंपनी शेष 26 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए ओपन ऑफर शुरू करेगी। इस अधिग्रहण से अंबुजा सीमेंट्स की उत्पादन क्षमता में 16.6 MTPA की वृद्धि होगी, जिसमें चालू 8.5 MTPA और विकासाधीन 8.1 MTPA शामिल हैं।

बजाज फिनसर्व और Allianz के बीच जॉइंट वेंचर से बाहर निकलने पर विचार

एजेंसी | नई दिल्ली

बजाज फिनसर्व ने बुधवार को बताया कि उसके जॉइंट वेंचर पार्टनर Allianz बजाज अलियांज जनरल इंश्योरेंस और बजाज अलियांज लाइफ इंश्योरेंस से बाहर निकलने पर सक्रिय रूप से विचार कर रहा है। Allianz ने अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं के तहत यह निर्णय लिया है, हालांकि यह प्रक्रिया अभी शुरुआती चरण में है। यदि Allianz बाहर निकलता है, तो वह एक स्मूथ ट्रांजीशन के लिए बजाज को पूरा सहयोग देगा। बजाज फिनसर्व ने एक्सचेंज को बताया, Allianz ने हमें सूचित किया है कि अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं के आधार पर वह इन जॉइंट वेंचर्स से बाहर निकलने पर विचार कर रहा है। हालांकि, चर्चा अभी प्रारंभिक चरण में है और इस संबंध में कोई प्रस्ताव अभी तक नहीं रखा गया है। Allianz ने यह आश्वासन दिया है कि यदि वह जॉइंट वेंचर से बाहर निकलती है, तो वह एक स्मूथ ट्रांजीशन के लिए बजाज को पूरा सहयोग प्रदान करेगी। इस सहयोग में पॉलिसीधारकों, बिजनेस पार्टनर्स, कर्मचारियों और अन्य हितधारकों के हितों का ध्यान रखा जाएगा। वर्तमान में, Allianz के पास बजाज अलियांज बीमा कंपनियों में 26 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि बजाज फिनसर्व के पास 74 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

2024-25 में 7.2% की वृद्धि दर का अनुमान

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा ने कहा है कि भारत की जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि दर 2024-25 में 7.2 प्रतिशत और अगले वित्त वर्ष में लगभग 7 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसके बाद, इस बात की काफी संभावना है कि वृद्धि दर आठ प्रतिशत के रुख पर वापस आ जाएगी। उन्होंने न्यूयॉर्क फेड सेंट्रल बैंकिंग सेमिनार में कहा, 'मैं पूरे विश्वास के साथ यह मानता हूं कि भारत का समय आ गया है। देश 28 साल की औसत आयु वाली दुनिया की सबसे युवा आबादी के साथ अपने भविष्य की ओर बढ़ रहा है।' कामकाजी उम्र के लोगों की आबादी बढ़ रही है, जिसमें हर छठा व्यक्ति भारतीय है। पात्रा ने कहा कि आजादी के बाद से भारत में आर्थिक वृद्धि के रुख में तीन संरचनात्मक बदलाव हुए हैं। यह 2002 से 2019 के दौरान बढ़कर 7 प्रतिशत हो गई। हालांकि, महामारी के दौरान आर्थिक वृद्धि में भारी गिरावट आई।

कॉमनवेल्थ गेम्स में भारत को नुकसान

हॉकी, कुश्ती, बैडमिंटन, शूटिंग सहित 9 खेल बाहर

इनमें भारत ने 149 गोल्ड समेत 286 मेडल जीते

एजेंसी । नई दिल्ली

2026 में ग्लासगो में होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स से बैडमिंटन, शूटिंग, क्रिकेट, हॉकी, स्क्वॉश, टेबल टेनिस, कुश्ती, ट्रायथलन और आर्चरी को बाहर कर दिया गया है। ग्लासगो कॉमनवेल्थ में केवल 10 इवेंट ही होंगे। इसमें एथलेटिक्स, स्वीमिंग, आर्टिस्टिक जिमनास्टिक्स, ट्रैक साइकिलिंग, नेटबॉल, वेटलिफ्टिंग, बॉक्सिंग, जूडो, बाउल्स और बास्केटबॉल शामिल हैं। ये सभी इवेंट चार स्थानों पर होंगे। इसके अलावा पैरा खिलाड़ियों के इवेंट होंगे। पहले यह कॉमनवेल्थ गेम्स ऑस्ट्रेलिया में होने थे। पिछले साल ऑस्ट्रेलिया की सरकार ने आयोजन से इनकार कर दिया। इसके बाद गेम्स को ग्लासगो (स्कॉटलैंड) में कराने का फैसला लिया गया।

हॉकी 1998 से कॉमनवेल्थ खेलों का हिस्सा

फील्ड हॉकी 1998 से राष्ट्रमंडल खेलों का हिस्सा रही है। इसमें ऑस्ट्रेलिया की पुरुष और महिला टीमों का दबदबा हमेशा रहा है। ऑस्ट्रेलियाई पुरुष टीम ने सात बार (1998, 2002, 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022) गोल्ड मेडल जीते हैं। वहीं, महिला टीम ने चार बार गोल्ड मेडल और एक बार सिल्वर व ब्रॉन्ज मेडल जीता है। भारतीय पुरुष टीम 2010, 2014 और 2022 में फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हारकर सिल्वर मेडल जीती। वहीं, भारतीय विमेंस टीम ने 2002 में गोल्ड मेडल जीता था। विमेंस हॉकी टीम 2006 में सिल्वर और 2022 में ब्रॉन्ज मेडल जीतने में सफल रही थी।

बर्मिंघम में हुए थे 19 खेल

पिछले कॉमनवेल्थ गेम्स (2022 में) इंग्लैंड के बर्मिंघम में हुए थे। इसमें 19 खेल शामिल थे। भारत ने यहां 12 खेलों में मेडल हासिल किए थे। आर्चरी और शूटिंग को बर्मिंघम गेम्स में शामिल नहीं किया गया था। हॉकी, कुश्ती, बैडमिंटन, शूटिंग में भारत ने अब तक 286 मेडल जीते हैं, जिनमें 149 गोल्ड शामिल है। बैडमिंटन में भारत ने 31 मेडल जीते हैं। इनमें 10 गोल्ड, 8 सिल्वर और 13 ब्रॉन्ज शामिल हैं। वहीं, शूटिंग में भारत ने अब तक 135 मेडल अपने नाम किए। इनमें 63 गोल्ड, 44 सिल्वर और 28 ब्रॉन्ज शामिल है। कुश्ती में भारत ने कुल मिलाकर 114 मेडल जीते हैं। इनमें 49 गोल्ड, 39 सिल्वर और 26 ब्रॉन्ज शामिल है।

जीते थे कुल 61 पदक

2022 के बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में भारत ने कुल 61 मेडल जीते थे, जिनमें से 22 गोल्ड मेडल थे। भारतीयों ने कुश्ती (12), वेट लिफ्टिंग (10), एथलेटिक्स (8), मुक्केबाजी और टेबल टेनिस (7-7) में सबसे ज्यादा पदक जीते थे। इस कॉमनवेल्थ गेम्स में भारतीय विमेंस क्रिकेट टीम ने सिल्वर मेडल जीता था।

पुणे टेस्ट के लिए पूरी तरह फिट हुए ऋषभ पंत

एजेंसी । नई दिल्ली

पुणे टेस्ट मैच से पहले टीम इंडिया के लिए एक गुड न्यूज सामने आई है। न्यूजीलैंड के खिलाफ जारी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज के पहले मुकाबले के दौरान भारतीय टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत चोटिल हो गए थे। उन्होंने बेंगलुरु टेस्ट मैच में विकेटकीपिंग सिर्फ कुछ ही समय की। उनकी जगह ध्रुव जुरेल विकेटकीपर के तौर पर नजर आए थे, लेकिन बल्लेबाजी के लिए वे दूसरी पारी में भी उतरे और 99 रनों की पारी खेली। अब पंत से जुड़ी अच्छी खबर ये है कि वे पुणे टेस्ट मैच के लिए फिट हैं और प्लेइंग इलेवन में उनकी जगह पर कोई खतरा नहीं है।

बेंगलुरु टेस्ट मैच में चोटिल हुए ऋषभ पंत को पुणे टेस्ट मैच के लिए फिट घोषित किया गया है। इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट की

मानें तो ऋषभ पंत को भारतीय पारी के दूसरे दिन इंजेक्शन लेने के बाद दर्द महसूस हुआ। हालांकि, ऋषभ पंत अब पूरी तरह से स्वस्थ हैं और 24 अक्टूबर से पुणे में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हैं। दिसंबर 2022 में कार एक्सीडेंट में ऋषभ पंत को जिस घुटने में चोट लगी और उसका ऑपरेशन उनको करवाना पड़ा था, उसी घुटने में रविंद्र जडेजा की गेंद उनको विकेटकीपिंग करते हुए लगी थी, जिसके कारण वे मैदान से बाहर चले गए थे।

हालांकि, अच्छी बात ये थी कि बाएं हाथ के इस तेजतर्रार बल्लेबाज ने भारत की दूसरी पारी में भी बल्लेबाजी की और 105 गेंदों पर 99 रन बनाए, लेकिन वह इस पारी के दौरान 100 प्रतिशत सहज नहीं दिखे और कई बार विकेटों के बीच लड़खड़ाते हुए नजर आए। इसके बाद वे चौथी पारी में विकेटकीपिंग के लिए नहीं आए तो संदेह पैदा हो गया था कि क्या वे पूरी तरह फिट हैं? अब दूध का दूध और पानी का पानी हो गया है। यही कारण है कि टीम में दूसरे और तीसरे टेस्ट मैच के लिए एक बदलाव हुआ है और उसमें पंत की चोट का कोई भी जिक्र नहीं हुआ है।

सैफ महिला फुटबॉल

बांग्लादेश के खिलाफ भारत की नजरें ग्रुप में शीर्ष स्थान पर

एजेंसी । काठमांडू

सेमीफाइनल में जगह पहले ही पक्की कर चुका भारत बुधवार को यहां सैफ महिला फुटबॉल चैंपियनशिप के अंतिम ग्रुप ए मैच में बांग्लादेश से भिड़ेगा तो उसकी नजरें अपना दबदबा बरकरार रखने पर टिकी होंगी। बांग्लादेश की टीम अगर टीम इस मुकाबले में जीत दर्ज करती है तो ग्रुप के शीर्ष पर रहेगी। भारत अभी तीन अंक के साथ ग्रुप में शीर्ष पर चल रहा है। बांग्लादेश और पाकिस्तान के समान एक-एक अंक हैं। बांग्लादेश (शून्य) हालांकि बेहतर गोल अंतर के कारण पाकिस्तान (माइनस तीन) से आगे दूसरे स्थान पर है। भारत के खिलाफ ड्रॉ खेलकर बांग्लादेश दो अंक के साथ ग्रुप में उप विजेता रहेगा।

बांग्लादेश से हिसाब चुकता करने उतरेगा भारत

भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ 5-2 की जीत के साथ सेमीफाइनल में जगह पक्की की थी लेकिन अब उसकी नजरें ग्रुप में शीर्ष पर रहने और बांग्लादेश से 2022 का बदला चुकता करने पर टिकी होंगी। बांग्लादेश ने 2022 में निर्णायक ग्रुप मुकाबले में भारत को 3-0 से हराकर प्रतियोगिता में उसके अजेय अभियान को थाम दिया था। भारत की सैफ टूर्नामेंट के इतिहास में अपने दक्षिण एशियाई प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ यह पहली हार थी और टीम इसक बदला लेने के इरादे से उतरेगी। कप्तान बाला देवी ने कहा, 'हमने पहले भी बांग्लादेश का सामना किया है और हमने पाकिस्तान के खिलाफ उनका पिछला मैच देखा। अब हमारा ध्यान सिर्फ इस मैच को जीतने पर है।'उन्होंने कहा, 'हमारे पास सीनियर और युवा दोनों तरह की खिलाड़ी हैं और हम जीत दर्ज करने के लिए तैयार हैं।

न्यूजीलैंड को तेजी से सामंजस्य बैठाना होगा

पुणे में स्पिन पिच की संभावना पर बोले मिचेल

एजेंसी । पुणे

ऑलराउंडर डेरिल मिचेल ने कहा है कि न्यूजीलैंड को बेंगलुरू टेस्ट में मिली जीत को पीछे छोड़कर बृहस्पतिवार से यहां शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट के दौरान संभावित रूप से स्पिन के अनुकूल हालात से तेजी से सामंजस्य बैठाना होगा। न्यूजीलैंड ने भारत को उसके मैदान पर 36 साल में पहली बार शिकस्त देते हुए तीन मैच की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त बना ली है लेकिन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में जगह बनाने का दावा मजबूत करने के लिए भारत के पुणे में स्पिन की अनुकूल पिच पर पलटवार करने

की उम्मीद है। मिचेल ने मंगलवार को यहां न्यूजीलैंड के ट्रेनिंग सत्र के बाद मीडिया से कहा, 'एक जीत जो हम नहीं कर सकते, वह यह है कि हम सतह को नहीं बदल सकते। इसलिए हमारे सामने जो है हमें उसे देखते हुए प्रतिक्रिया देनी होगी और तेजी से सामंजस्य बैठाना होगा।

आगे बढ़ने की कोशिश करेगी टीम

मिचेल ने कहा कि मेहमान टीम बेंगलुरू में मिली जीत से आगे बढ़ने की कोशिश करेगी। उन्होंने कहा, 'देखिए हमारे लिए अब यह एक अन्य टेस्ट मैच की तरह है। यह अतीत की बात है। बेशक वह टेस्ट मैच जीतकर मैं बेहद खुश हूं।' इस ऑलराउंडर ने कहा, 'लेकिन साथ ही यह अलग मैदान हैं, अलग सतह और हम पहली गेंद फेंके जाने के लिए तैयार हैं।' मिचेल ने कहा कि न्यूजीलैंड की टीम पहले टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों सरफराज खान और ऋषभ पंत की आक्रामक बल्लेबाजी से परेशान नहीं है।

हीरो वुमेंस इंडियन ओपन

भारतीय खिलाड़ियों के पास गोल्फ में अपना दमखम दिखाने का मौका

एजेंसी । गुरुग्राम

भारत में महिलाओं के गोल्फ के सबसे प्रतिष्ठित आयोजन हीरो वुमेंस इंडियन ओपन में दीक्षा डागर, त्वेसा मलिक और हिताशी बख्शी जैसे खिलाड़ियों के पास लेडीज यूरोपीय टूर (एलईटी) के इस आयोजन में दुनिया के शीर्ष खिलाड़ियों को चुनौती देने का मौका मिलेगा। डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में गुरुवार से शुरू हो रहे इस टूर्नामेंट में 31 देशों की 114 खिलाड़ी भाग ले रहीं हैं। इसमें से कई हाल ही में लेडीज यूरोपियन टूर की विजेता रही हैं।भारतीय दल में भारतीय महिला गोल्फ संघ की 24 खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें 2013 से अब तक के 10 'ऑर्डर ऑफ मेरिट विजेताओं

में से नौ खिलाड़ी शामिल हैं। टूर्नामेंट में डब्ल्यूपीटीजी मेरिट में शीर्ष पर रही 19 साल की हिताशी भी शामिल हैं। हिताशी ने यहां संवाददात सम्मेलन ने कहा, 'पिछले साल के आखिर में मेरे लिए चीजें ठीक नहीं चल रही थी लेकिन इस साल मार्च में यहां महिला कोर्स रिकॉर्ड की बराबरी करने के बाद मैंने आत्मविश्वास हासिल कर ली।'

अनिल कपूर ने ठुकराया करोड़ों का ऑफर

बॉलीवुड में कई प्रमुख अभिनेता पान मसाला विज्ञापन करते नजर आते हैं और ट्रोल हो जाते हैं। अजय देवगन, शाहरुख खान, अक्षय कुमार, टाइगर श्रॉफ की आलोचना हो चुकी है। ट्रोलिंग के बाद माफी मांगे थे और ऐसे विज्ञापन करना बंद कर दिया। तो अभी अनिल कपूर ने भी पान मसाला का विज्ञापन ठुकरा दिया है। उन्होंने करोड़ों रुपये का ऑफर ठुकरा दिया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनिल कपूर ने एक बड़ा पान मसाला विज्ञापन खारिज कर दिया गया है। उन्होंने अपने प्रशंसकों और दर्शकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को ध्यान में रखते हुए विज्ञापन के प्रस्ताव को ठुकरा दिया। उन्होंने कहा कि चाहे उन्हें कितना भी पैसा मिले, वह ऐसे किसी उत्पाद का प्रचार नहीं करेंगे जिससे लोगों के स्वास्थ्य को खतरा हो।

67 साल की उम्र में भी अनिल कपूर बेहद फिट हैं। उनके लुक्स को देखकर कई लोग कमेंट करते हैं कि वह जवान हो रहे हैं। वह स्वस्थ आहार और जीवनशैली को बढ़ावा देते हैं। इसलिए वह ब्रांड एंडोर्समेंट बहुत सोच-समझकर करते हैं। वह कभी भी ऐसा कोई विज्ञापन नहीं करते जिससे किसी को नुकसान हो। वहीं दूसरी ओर बॉलीवुड जहां पान मसाला के विज्ञापनों के लिए अभिनेताओं को ट्रोल किया जाता है। वहीं साउथ अभिनेताओं ने आज तक कभी ऐसे उत्पाद का प्रचार नहीं किया है। रजनीकांत, कमल हासन ने अपने करियर के शुरुआती दिनों में ऐसे विज्ञापन न करने का फैसला किया। इसके बाद सभी कलाकारों ने इस नियम का पालन किया।

सलमान खान के सपोर्ट में आए मीका सिंह

अनूप जलोटा ने भी दी सलाह

बॉलीवुड के भाईजान सलमान ख़ान इसमें कोई शक नहीं कि आखिरी कुछ दिन तनावपूर्ण रहेंगे। सलमान के करीबी दोस्त बाबा सिद्दीकी की हत्या और बिश्नोई गैंग की लगातार मिल रही धमकियों से अब सलमान और उनका पूरा परिवार परेशान है। हालांकि सलमान इस मामले पर मुखर रहे हैं, उनके पिता सलीम खान और भाई-बहन अक्सर परिवार की मन :स्थिति पर टिप्पणी करते रहे हैं। मीका सिंह ने एक लाइव कॉन्सर्ट के दौरान भाईजान को सपोर्ट किया है।

मीका सिंह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो में मीका सिंह एक लाइव कॉन्सर्ट में परफॉर्म करते नजर आ रहे हैं। मीका और सलमान की गहरी दोस्ती के बारे में हर कोई जानता है। लाइव कॉन्सर्ट के दौरान मीका ने फिल्म 'शूटआउट एट लोखंडवाला' के अपने हिट गाने 'ऐ गणपत' की पंक्तियां गाईं। मीका ने कहा, 'भाई रे भाई तू फिक्र न कर, उसकी मां की उसकी बहन की जो देखे इधर।' ये बोल ए गणपत गाने की बीच की पक्तियों के हैं। इस तरह से मीका ने डंके की चोट पर सलमान के समर्थन में अपनी राय रखी है। मीका की परफॉर्मेंस ने दर्शकों का दिल जीत लिया और सोशल मीडिया पर इसे लेकर काफी चर्चा भी हो रही है। यह उनकी और सलमान की दोस्ती की एक और मिसाल है।

'सलमान बिश्नोई मंदिर जाकर माफी मांगें' - अनूप जलोटा

अनूप जलोटा ने दिए इंटरव्यू में कहा, 'मेरा सलमान से एक छोटा-सा अनुरोध है कि वह बिश्नोई समुदाय के मंदिर में जाकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए माफी मांग लें और अपने परिवार और करीबी दोस्तों की रक्षा करें। मुझे यकीन है कि वे उनकी माफी स्वीकार करेंगे। सलमान को जाना चाहिए और फिर बिना किसी डर के जिंदगी जीनी चाहिए ये मामले को और कॉम्प्लेक्स करने का समय नहीं है। चाहे उसने हत्या की हो या नहीं, सलमान को माफी मांगनी चाहिए। झगड़े में फंसने से किसी को कुछ नहीं मिलेगा।'

सलमान ने बिग बॉस के मंच पर अपने इमोशन जाहिर किए

जैसे ही मीका ने यह गाना गाना शुरू किया तो दर्शकों ने तालियां बजाकर मीका का समर्थन किया। सलमान खान ने कुछ दिनों पहले 'बिग बॉस 18' के मंच पर अपनी भावनाएं शेयर कीं। सलमान खान ने कुछ दिन पहले बिग बॉस 18 का वीकेंड का वार एपिसोड शूट किया था। इस दौरान सलमान ने कहा कि मुझे कमिटमेंट की वजह से शूटिंग के लिए आना पड़ा, वरना मैं यहां नहीं आना चाहता था।' बिग बॉस वीकेंड का वार को 60 से अधिक सुरक्षा गार्डों की मौजूदगी में शूट किया गया था।

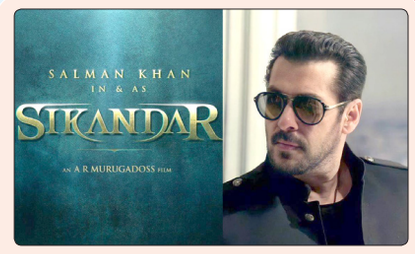

'सिकंदर' की शूटिंग टली

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को बिश्नोई गैंग से लगातार धमकियां मिल रही हैं। काला हिरण शिकार मामले में लॉरेंस बिश्नोई ने सलमान के पीछे हाथ धोकर पड़ा हुआ है। सलमान को बिश्नोई गैंग से बार-बार धमकियां मिल रही हैं। इसके बाद बाबा सिद्दीकी की हत्या के तार बिश्नोई गैंग से जुड़ रहे हैं। इसलिए सलमान खान की सुरक्षा बढ़ा दी गई है। सलमान खान को वाई प्लस सुरक्षा दी गई है। उनके घर पर परिवार के सदस्यों के अलावा किसी को भी जाने की इजाजत नहीं है। शूटिंग के दौरान पुलिस की भी भारी तैनाती की जा रही है। वही अब सलमान की फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग टाल दी गई है। सलमान खान की आने वाली फिल्म 'सिकंदर' को निर्माता 2025 की ईद पर रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। हालांकि, सलमान की जान को खतरे को देखते हुए जानकारी सामने आई है कि सलमान फिलहाल फिल्म की शूटिंग नहीं करेंगे। सलमान ने अपनी आने वाली फिल्म 'सिकंदर' की शूटिंग भी टाल दी है। चर्चा थी कि सलमान खान रोहित शेट्टी की फिल्म 'सिंघम अगेन' में चुलबुल पांडे के तौर पर कैमियो करेंगे। लेकिन, अब रिपोर्ट्स के मुताबिक, कथित तौर पर सुरक्षा चिंताओं के कारण 'सिंघम अगेन' में सलमान का कैमियो हटा दिया गया है।

'भूल भुलैया-3' का रोमांटिक गाना 'जाना समझो ना' हुआ रिलीज

'भूल भुलैया-3' साल की सबसे बड़ी रिलीज में से एक है और इस दिवाली हर कोई इसका बेसब्री से इंतजार कर रहा है। 'भूल भुलैया-3' के ट्रेलर को बेहतरीन रिस्पॉन्स मिला है और इसने हॉरर-कॉमेडी के लिए बेहतरीन माहौल बना दिया है। टाइटल ट्रैक ग्लोबल हिट हो गया, जिसमें इंटरनेशनल म्यूजिक स्टार पिटबुल ने दिलजीत दोसांझ और कार्तिक आर्यन के साथ स्पूकी स्लाइड किया है।

फिल्म का दूसरा गाना 'जाना समझो ना' रिलीज हो गया है, जिसमें कार्तिक आर्यन और तृप्ति डिमरी की नई और जबरदस्त केमिस्ट्री देखने मिल रही है। गाने में तुलसी कुमार और आदित्य रिखारी की खूबसूरत आवाज़ है।

'भूल भुलैया-3' का रोमांटिक ट्रैक कार्तिक और तृप्ति की शानदार केमिस्ट्री में खूबसूरत रंग भरता है। नया दिल छू लेने वाला गाना 'जाना समझो ना' हमें रोमांटिक वाइब्स से सराबोर कर देता है। ये गाना तुलसी कुमार और आदित्य रिखारी ने गाया है, जिसे लिजो जॉर्ज, डीजे चेतस, और आदित्य रिखारी ने कंपोज किया है और इसके लिरिक्स आदित्य रिखारी ने लिखे हैं। कार्तिक आर्यन फिर से रूह बाबा का रोल

निभाते हुए नजर आएंगे, जो सुपर हिट भूल भुलैया-2 से है। उनके साथ तृप्ति डिमली, ओरिजिनल मंजुलिका, विद्या बालन और उनकी पार्टनर इन क्राइम यानी माधुरी दीक्षित भी नजर आएंगी। अनीस बज्मी के निर्देशन और भूषण कुमार के प्रोड्यूशन में यह फिल्म इस साल की मच अवेटेड फिल्मों में से एक है। भूल भुलैया-3 इस दिवाली 1 नवंबर को शानदार रिलीज़ के लिए तैयार है।

अंधेरी पूर्व विधानसभा सीट

उत्तर भारतीयों का रहा है दबदबा

विश्लेषण

राजा आदाटे

इस इलाके की राजनीतिक गतिविधियां इतनी प्रभावशाली थीं कि इंदिरा गांधी, कमलापति त्रिपाठी, राजनारायण सिंह, और शंकरराव चव्हाण जैसे बड़े राष्ट्रीय नेता भी नागरदास रोड पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते थे।

अंधेरी (पूर्व) विधानसभा की सीट पर उत्तर भारतीयों की राजनीतिक सक्रियता एक समय बहुत मजबूत थी, लेकिन अब यह स्थिति बदल गई है। पहले इस क्षेत्र में उत्तर भारतीयों का दबदबा था, जहां नागरदास रोड पर सैकड़ों तबेले थे, और यहां की सांस्कृतिक गतिविधियां जैसे होली, कजरी, बिरहा और कुश्ती ने इस समुदाय की पहचान को बनाए रखा। 1950 के दशक में, उत्तर भारतीय गांवों से आने वाले लोग इन तबेलों में रुकते थे, जिससे यह क्षेत्र उनके लिए एक अहम सामाजिक केंद्र बन गया। नागरदास रोड पर उत्तर भारतीयों का जमावड़ा हमेशा देखने को मिलता था, जो उनकी एकजुटता और समुदाय की शक्ति का प्रतीक था। हालांकि, वर्तमान में बदलते राजनीतिक परिदृश्य के कारण उत्तर भारतीयों की राजनीति इस क्षेत्र में हाशिये पर चली गई है। अब स्थानीय स्तर पर उनके लिए उम्मीदवार बनाने की मांग उठ रही है, ताकि इस समुदाय की राजनीतिक आवाज को फिर से मजबूती मिल सके। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि उत्तर भारतीय समुदाय अपनी पहचान और राजनीतिक प्रतिनिधित्व को पुनः स्थापित करने के लिए सक्रिय हो रहा है।

नागरदास रोड था नॉर्थ इंडियन्स का अड्डा

अंधेरी पूर्व में उत्तर भारतीयों की राजनीति कांग्रेस पार्टी के समय में उभरने लगी थी। रामसहाय पांडेय के नेतृत्व में उत्तर भारतीय समुदाय कांग्रेस के झंडे तले संगठित होने लगा। इस प्रक्रिया में निर्झर शुक्ल और महावीर अधिकारी जैसे नेता भी शामिल हुए, जिन्होंने लोगों को कांग्रेस से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। रामसहाय पांडेय, जो मध्यप्रदेश के गुना से सांसद बने, नागरदास रोड पर बाबू रघुनाथ सिंह और बालकृष्ण सिंह के साथ सक्रिय रहते थे और वहां लगातार आते-जाते थे। अंधेरी में श्यामाचरण पांडेय एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में जाने जाते थे, और नागरदास रोड पर जब भी कोई बड़ा नेता आता था, वह उनके घर पर ठहरता था। श्यामाचरण पांडेय और सूबेदार मेजर ने इस राजनीतिक और सामाजिक गतिविधि की अगुवाई की और उत्तर भारतीय समुदाय के संगठन में अहम भूमिका निभाई।

रामनाथ पांडेय बने पहले उत्तर भारतीय विधायक

अंधेरी पूर्व के नागरदास रोड पर कांग्रेस पार्टी के प्रमुख स्तंभों में रामलखन तिवारी, रामदेव मिश्र, और मातादीन मिश्र जैसे नेता प्रमुख थे। इन नेताओं ने उत्तर भारतीय समाज को कांग्रेस के साथ मजबूती से जोड़ा। इस इलाके की राजनीतिक गतिविधियाँ इतनी प्रभावशाली थीं कि इंदिरा गांधी, कमलापति त्रिपाठी, राजनारायण सिंह, और शंकरराव चव्हाण जैसे बड़े राष्ट्रीय नेता भी नागरदास रोड पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराते थे। 1957 से 1967 तक रामस्वरूप सिंह इस क्षेत्र के पहले कांग्रेस के नगरसेवक थे, जो उत्तर भारतीय समुदाय की राजनीतिक पहचान को और मजबूत करते थे। 1969 में जब कांग्रेस विभाजित हुई, तो उसका असर स्थानीय उत्तर भारतीय समाज पर भी पड़ा। इसके बावजूद, 1968 में रमेश दुबे कांग्रेस से मनपा का चुनाव लड़कर जीतने में सफल रहे और उन्होंने लगातार 16 वर्षों तक नगरसेवक के रूप में सेवा की। 1973 में रामनाथ पांडेय यहां से पहले उत्तर भारतीय विधायक निर्वाचित हुए और बाद में मंत्री पद भी संभाला। उनका चुनाव इस बात का संकेत था कि उत्तर भारतीय समाज की राजनीति में सक्रियता और उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही थी।

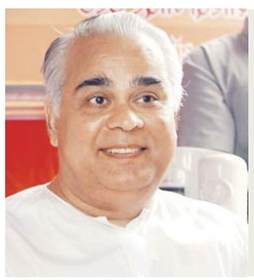

राजेश शर्मा ने निभाई अहम भूमिका

1980 में चंद्रकांत त्रिपाठी विधायक निर्वाचित हुए और मंत्री बने, जिससे उत्तर भारतीय समाज की कांग्रेस के भीतर राजनीतिक पकड़ और मजबूत हुई। इसके बाद, रमेश दुबे ने 1985 में विधायक का चुनाव जीता और लगातार दो बार इस क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। दुबे मंत्री भी बने और बाद में मिर्जापुर से सांसद के रूप में भी चुने गए, जिससे उनकी राजनीतिक शक्ति और क्षेत्रीय पहचान बढ़ी। भाजपा के उदय के साथ, 1997 में राजेश शर्मा ने नगरसेवक का चुनाव जीता और पहले उत्तर भारतीय उप महापौर बने। राजेश शर्मा ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर उत्तर भारतीय समाज को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके नेतृत्व ने यह दर्शाया कि चाहे कांग्रेस हो या भाजपा, उत्तर भारतीय समुदाय की राजनीति में एक केंद्रीय भूमिका बनी रही, और इन नेताओं ने समाज के संगठन और प्रतिनिधित्व को बढ़ावा दिया।

अंधेरी (पूर्व) का जातीय समीकरण

अंधेरी (पूर्व) विधानसभा क्षेत्र में कुल मतदाताओं की संख्या 2,86,282 है, जिसमें मराठी मतदाता 39.25 प्रतिशत के साथ सबसे बड़ी जनसंख्या हैं। उत्तर भारतीय मतदाता 22.16 प्रतिशत हैं, जो इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 15.56 प्रतिशत है, जो चुनावी परिणामों को निर्णायक रूप से प्रभावित करते हैं। इसके अलावा, अन्य समुदायों में ईसाई 4.52 प्रतिशत, सिख 0.61 प्रतिशत, दक्षिण भारतीय 5.43 प्रतिशत, गुजराती 11.81 प्रतिशत, और अन्य 0.66 प्रतिशत हैं। इस विधानसभा क्षेत्र की जनसांख्यिकी एक त्रिकोणीय समीकरण बनाती है, जिसमें मराठी, गैर-मराठी (विशेष रूप से उत्तर भारतीय), और मुस्लिम मतदाताओं की भूमिकाएं महत्वपूर्ण हैं। इस सीट को कांग्रेस की पारंपरिक सीट माना जाता है क्योंकि कांग्रेस पार्टी ने यहां से लगातार जीत हासिल की है। पूर्व मंत्री सुरेश शेट्टी यहां से तीन बार विधायक चुने गए, और उनकी जीत में उत्तर भारतीय और मुस्लिम मतदाताओं का सहयोग निर्णायक रहा। इस विधानसभा क्षेत्र की विविधता और समुदायों के आपसी समीकरणों के कारण यहां चुनावी राजनीति हमेशा दिलचस्प रही है।

शिंदे गुट से स्वीकृति शर्मा को मिल सकता है टिकट

अंधेरी (पूर्व) विधानसभा सीट पर महायुति (BJP-शिवसेना शिंदे गुट) के अंतर्गत शिवसेना शिंदे गुट ने अपनी दावेदारी पेश की है। यहां से पूर्व एनकाउंटर स्पेशलिस्ट प्रदीप शर्मा की पत्नी स्वीकृति शर्मा का टिकट कन्फर्म माना जा रहा है। प्रदीप शर्मा का यह तर्क है कि चूंकि यह क्षेत्र उत्तर भारतीयों का गढ़ है, इसलिए इस सीट पर उत्तर भारतीय उम्मीदवार को ही प्रतिनिधित्व का अवसर मिलना चाहिए। शिवसेना शिंदे गुट के नेता कमलेश राय का भी मानना है कि उत्तर भारतीय विधायक होने से स्थानीय मतदाताओं के बीच अपनापन महसूस होगा, लेकिन उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उम्मीदवार ऐसा होना चाहिए जो जमीन से जुड़कर काम करे। इस सीट के लिए भाजपा के मुरजी पटेल भी अपनी दावेदारी कर रहे हैं, जो इसे महायुति के भीतर एक जटिल समीकरण बनाता है। दूसरी ओर, इंडी गठबंधन (INDIA गठबंधन) में यह सीट शिवसेना उद्धव गुट को मिलने की संभावना है। हालांकि, कांग्रेस और एनसीपी के उत्तर भारतीय नेताओं ने इस सीट पर अपनी दावेदारी पेश की है और शरद पवार से लॉबिंग कर रहे हैं कि किसी उत्तर भारतीय उम्मीदवार को इस सीट से टिकट दिया जाए।यह विवाद इस बात को दर्शाता है कि अंधेरी (पूर्व) की राजनीतिक स्थिति में उत्तर भारतीय मतदाताओं की निर्णायक भूमिका है, और सभी पार्टियां इसे भुनाने के लिए उत्तर भारतीय उम्मीदवार पर विचार कर रही हैं।

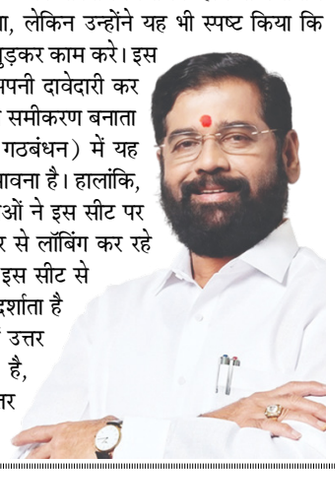

चुनावी चकल्लस

शिंदे शिवसेना के कोटे में मीरा भायंदर विधानसभा सीट!

गीता जैन को मिल सकता है टिकट

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव की घोषणा हुए 9 दिन बीत चुके हैं, लेकिन महायुति और महाविकास आघाड़ी में टिकट बंटवारे को लेकर अभी तक सभी सीटों पर सहमति नहीं बन पाई है। हालांकि महायुति के सबसे बड़े घटक दल बीजेपी ने अपने 99 उम्मीदवारों की पहली अधिकृत सूची जारी कर दी है। इसमें ठाणे लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र अंतर्गत आने वाली 6 विधानसभा सीटों में से 3 सीटों, 148 ठाणे विधानसभा सीट से संजय केलकर, 150 एरोली विधानसभा सीट से गणेश नाईक और 151 बेलापुर विधानसभा सीट से मंदा विजय म्हात्रे को बीजेपी ने अपना अधिकृत उम्मीदवार घोषित कर दिया है। बीजेपी द्वारा उम्मीदवारों की घोषणा के बाद कयास लगाए जा रहे हैं कि बची हुई 3 सीटें राज्य के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का गृह क्षेत्र होने के कारण 147 कोपरी – पाचपाखाड़ी, 146 ओवला – माजीवाड़ा और 145 मीरा-भाईंदर विधानसभा सीट शिंदे शिवसेना के कोटे में जा सकती है।

गीता जैन को मिल सकता है टिकट

महायुति में अगर इस समीकरण पर अंतिम मुहर लग गई तो वर्तमान निर्दलीय विधायक गीता भरत जैन के टिकट की लॉटरी मीरा- भाईंदर विधानसभा सीट से लग सकती है। मुंबई की सीमा से सटे होने के कारण और तेजी से विकसित होने के कारण मीरा – भाईंदर विधानसभा सीट का राजनीतिक महत्व बहुत बढ़ जाता है। मीरा – भाईंदर महानगरपालिका (मनपा) में 2022 से प्रशासक राज शुरू होने से पहले मनपा की सत्ता पर बीजेपी काबिज थी। 2017 में हुए मनपा चुनाव में बीजेपी ने यहां 95 वार्डों में से 61 सीटों पर बंपर जीत दर्ज की थी। इस कारण मीरा-भाईंदर को बीजेपी का गढ़ भी माना जाता है।

नरेंद्र मेहता को बीजेपी से टिकट मिलने की उम्मीद

इस विधानसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर नरेंद्र मेहता चुनाव लड़ने की पूरी तैयारी में हैं। हाल ही में टिकट की दावेदारी को पुख्ता करने के लिए मेहता ने एक विशाल संकल्प सभा का आयोजन भी किया था। इस सभा में उनके साथ मंच पर 50 से अधिक पूर्व नगरसेवक, नगरसेविकाएं तथा सैकड़ों पदाधिकारी और करीब 10 हजार से अधिक लोग शामिल हुए थे। ऐसे में यदि टिकट बंटवारे में महायुति से शिंदे शिवसेना कोटे में यह सीट जाती है तो मेहता को निराशा हाथ लगेगी और उनके बगावत की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

अजित पवार की पार्टी में शामिल हुए राजकुमार बडोले

गोंदिया।महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता राजकुमार बडोले मंगलवार को अजित पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। राजकुमार बडोले एनसीपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उपमुख्यमंत्री अजित पवार, कार्यकारी अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल और प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे की मौजूदगी में पार्टी में शामिल हुए। उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने उनका स्वागत करते हुए कहा कि राजकुमार बडोले जैसे अनुभवी और मुखर नेता के पार्टी में शामिल होने से पार्टी की स्थिति और मजबूत होगी। कहा जा रहा है कि गोंदिया में राजकुमार बडोले के एनसीपी शामिल होने से पार्टी को मजबूती मिली है।

कांग्रेस के गढ़ में माकपा की सेंध, बीजेपी उठा सकती है मौके का फायदा!

रणनीति

धीरज सिंह

साल 1962 में पहली बार हुए चुनाव के बाद कांग्रेस ने सीट पर अपना दबदबा करीब 15 साल तक कायम रखा। उसके बाद 1978 में चौहान शंकर कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ने यहां से जीत हासिल की।

महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों में से एक दहानू विधानसभा सीट कांग्रेस के लिए बेहद अहम सीट है। कांग्रेस 1962 से अब तक छह बार इस सीट पर अपनी जीत हासिल कर चुकी है। लेकिन पिछले विधानसभा चुनाव में यह सीट मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के पास चली गई थी और अब कांग्रेस इस सीट को किसी भी हाल में वापस पाने की कोशिश करते हुए नजर आएगी। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है 20 नवंबर 2024 को पूरे महाराष्ट्र में एक साथ मतदान होगा और 23 नवंबर को वोटो की गिनती होगी। 24 तारीख को यह साफ हो जाएगा कि महाराष्ट्र में जनता ने किस पार्टी पर अपना भरोसा जताया है।

दहानू विधानसभा सीट का इतिहास

पश्चिम महाराष्ट्र में स्थित दहानू विधानसभा सीट के इतिहास की अगर बात करें तो साल 1962 में पहली बार हुए चुनाव के बाद कांग्रेस ने सीट पर अपना दबदबा करीब 15 साल तक कायम रखा। उसके बाद 1978 में चौहान शंकर कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ने यहां से जीत हासिल की। उसके बाद 1980 में कडू महादेव गोपाल कांग्रेस (आई) से जीत हासिल करने में कामयाब हुए। लेकिन उसके बाद 1985 से 1999 तक शंकर सखाराम ने लगातार तीन बार कांग्रेस के लिए जीत हासिल की। उसके बाद दो बार राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी, एक बार कम्युनिस्ट पार्टी, एक बार भाजपा और एक बार मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी यहां से जीत हासिल करने में कामयाब हुई। कांग्रेस ने यहां से 6 बार जीत हासिल की बाकी सभी पार्टियों ने एक बार या मुश्किल से दो बार जीत हासिल की है। पिछली बार निकोल विनोद मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की तरफ से यहां से जीत हासिल करने में कामयाब हुए थे। यह कांग्रेस का गढ़ है लेकिन पिछली बार यहां मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने कांग्रेस के किले में सेंध लगाई थी और इस बार कांग्रेस पार्टी इस सीट पर वापसी करने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाते हुए नजर आने वाली है।

दहानू विधानसभा सीट पर जातीय समीकरण

दहानू विधानसभा सीट एक रिजर्व्ड सीट है यह सीट अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीट है। यहां कुल जनसंख्या की अगर बात करें तो यहां टोटल वोटर्स की संख्या 2,66,688 है। जिनमें से एक प्रतिशत अनुसूचित जाति के लोग हैं। वहीं करीब 80% लोग अनुसूचित जनजाति समुदाय से आते हैं, यही कारण है कि यह आरक्षित सीट है। ग्रामीण मतदाताओं की संख्या यहां पर 87.7 प्रतिशत के आसपास है। शहरी वोटर की संख्या 12% है। मुस्लिम वोटर की संख्या यहां पर 3% के आसपास है। कुल मिलाकर यह कहा जा सकता है कि अनुसूचित जनजाति के समुदाय को जो उम्मीदवार रिझाने में कामयाब होगा उसकी जीत सुनिश्चित मानी जाएगी।

इस सीट पर कब किसने मारी बाजी ?

चुनाव वर्ष	उम्मीदवार	पार्टी
2019	निकोल विनोद भिवा	माकपा
2014	धनारे पास्कल जन्या	भाजपा
2009	ओझारे राजाराम नाथू	सीपीएम
2004	कृष्ण अर्जुन घोड़ा	राकांपा
1999	घोड़ा कृष्ण अर्जुन	राकांपा
1995	नाम शंकर सखाराम	कांग्रेस
1990	नाम शंकर सखाराम	कांग्रेस
1985	नाम शंकर सखाराम	कांग्रेस
1980	कडु महादेव गोपाल	कांग्रेस (आई)
1978	चव्हाण शंकर मार्या	सीपीएम
1972	महादेव गोपाल कडू	कांग्रेस
1967	महादेव गोपाल कडू	कांग्रेस
1962	शामराव पाटिल	कांग्रेस